सुविचार
संघर्षों की धूप में
जो जलते, वह
बुझ भी जाएं
अगर तो भी
रोशनी करते..!

साप्ताहिक
युवा प्रदेश
Freedom Of Speech

RNI. NO. MPHIN/2015/76299

YP24 NEWS
FREEDOM OF SPEECH
जिला एवं तहसील में संवाददाता नियुक्त करना है।
संपर्क करे -9425156055

संपादक-नागेश नरवरिया

वर्ष 8, अंक-47 | www.yuvapradesh.in | भोपाल, शुक्रवार 29 दिसम्बर 2023 | ypnews24@gmail.com | पृष्ठ -8 | मूल्य 2 रुपये

पीने के पानी को खराब करना कब दण्डनीय अपराध होता है जानिए/ legal advice.....

जल कोई किसी भी प्रकार से प्रदुषित करना जल प्रदूषण (निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974 के अंतर्गत एक अपराध माना जाता है,इस अधिनियम में जल के संरक्षण की भी बात कही गई है अर्थात कोई व्यक्ति जल को प्रदूषित करता है तो उक्त अधिनियम के अंतर्गत सिविल वाद लगाया जा सकता है लेकिन अगर कोई व्यक्ति पीने का पानी खराब करता है तो उसके खिलाफ एक संज्ञेय आपराधिक मामला भी बन सकता है जानिए।

- लेखक बीआर अहिरवार(एडवोकेट एवं विधिक सलाहकार होशंगाबाद) 9827737665

भारतीय दण्ड संहिता, 1860 की धारा 277 की परिभाषा: अगर कोई व्यक्ति जानबूझकर किसी सार्वजनिक जल-स्त्रोत,जैसे कुए, कुंड, जलाशय आदि को जो लोगों के लिए पीने का पानी के लिए हो उसे कलुषित या खराब करेगा जिसके कारण उसका उपयोग कम हो जाए तब उस पीने के पानी को खराब करने वाला व्यक्ति भारतीय दण्ड संहिता की धारा 277 का दोषी होगा।

भारतीय दण्ड संहिता, 1860 की धारा 277 के अंतर्गत दण्ड का प्रावधान:
इस धारा के अपराध संज्ञेय एवं जमानतीय होते हैं इनकी सुनवाई किसी भी न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा की जा सकती है **सजा-** इस धारा के अपराध के लिए अधिकतम तीन माह की कारावास या पाँच सौ रुपये जुर्माना या दोनों से दण्डित किया जा सकता है।

झूठी एफआईआर दर्ज करवाना कब दण्डनीय अपराध होता है जानिए/legal advice...

अगर कोई व्यक्ति किसी के खिलाफ जानबूझकर मिथ्या (झूठी) एफआईआर दर्ज करवाता है जैसे की किसी निर्दोष पति को झूठे दहेज के मामले मे पत्नी द्वारा एफआईआर दर्ज करवाना, किसी पर झूठा चोरी का आरोप लगा देना, सुनी सुनाई बातों पर किसी पर आपराधिक मामला दर्ज करवा देना आदि जिससे निर्दोष व्यक्ति को क्षति होने की संभावना हो तब यह एक अपराध होगा जानिए।

- लेखक बीआर अहिरवार(एडवोकेट एवं विधिक सलाहकार होशंगाबाद) 9827737665

भारतीय दण्ड संहिता, 1860 की धारा 211 की परिभाषा: जो कोई व्यक्ति किसी निर्दोष व्यक्ति को फंसाने के लिए कोई झूठा आरोप लगाता है या पुलिस थाने में मिथ्या शिकायत करता है कोई आपराधिक मामला दर्ज करवाता है जो पूर्णतः गलत है तब येसा करने वाला व्यक्ति भारतीय दण्ड संहिता की धारा 211 के अंतर्गत दोषी होगा।

भारतीय दण्ड संहिता, 1860 की धारा 211 के अंतर्गत दण्ड का प्रावधान: इस धारा के अपराध असंज्ञेय एवं जमानतीय होते हैं इनकी सुनवाई किसी भी न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा की जा सकती है सजा- इस धारा के अपराध के लिए अधिकतम दो वर्ष की कारावास या जुर्माना या दोनों से दण्डित किया जा सकता है। लेकिन अगर आरोप म्रत्यु दंड, आजीवन कारावास, या सात वर्ष से अधिक कारावास से दण्ड के अपराध का है तब अपराधी को अधिकतम सात वर्ष की कारावास और जुर्माने से दण्डित किया जाएगा।

विशेष नोट- भारतीय दण्ड संहिता की धारा 209 मिथ्या वाद के लिए है जो न्यायालय में लगता है एवं भारतीय दण्ड संहिता की धारा 211 मिथ्या आरोप के लिए है जो पुलिस के पास दर्ज की जाती है यह अपराध संज्ञेय-असंज्ञेय दोनों हो सकते है।

चार लाख करोड़ रुपए के कर्ज में डूबी एमपी सरकार चुनावी वादों को पूरा करने के लिए फिर मांगा लोन

भोपाल। चुनाव जीतने के लिए किए गए लोकलुभावन वादों को लोकसभा चुनाव से पहले पूरा करना पूरा करना मध्य प्रदेश की सरकार के लिए बड़ी चुनौती है. एक तरफ सरकार पर वादों को पूरा करने के लिए जनता और विपक्ष का दबाव है. वहीं, राज्य की आर्थिक स्थिति खस्ताहाल है. हालात ये है कि मोहन यादव सरकार को सत्ता संभालते ही आरबीआई से कर्ज लेने की जरूरत पड़ गई है. दरअसल, शपथ लेने के दो हफ्ते के भीतर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने राज्य के खर्चों को पूरा करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से 2,000 करोड़ रुपये का ऋण मांगा है. इसके साथ ही मध्य प्रदेश कर्ज के बोझ तले दबता नजर आ रहा है. दरअसल, वर्तमान मुख्यमंत्री मोहन यादव को पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से लगभग 4 लाख करोड़ का कर्ज विरासत में मिला है.

कर्ज लेकर शुरू की गई लाडली बहना योजना

पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की जिस लाडली बहना योजना को भाजपा की बड़ी जीत की वजह माना जाता है. इसके लिए राज्य को बड़ी कीमत चुकानी पड़ रही है. दरअसल, शिवराज सिंह चौहान सरकार ने अकेले 2023 में 44,000 करोड़ रुपए का उधार लिया था. इसमें चुनाव आचार संहिता लागू होने के दौरान लिए गए 5,000 करोड़ रुपए का कर्ज भी शामिल है. माना जाता है कि इसका बड़ा हिस्सा लाडली बहना योजना पर खर्च किया गया. अब, नई सरकार आने के बाद, राज्य सरकार का खजाना खाली है।

मोहन मंत्रिमंडल में विभागों के बंटवारे में देरी पर कांग्रेस हुई आक्रामक

भोपाल। मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री मोहन यादव के शपथ लेने के 15 दिन बाद भी मंत्रियों के बीच विभागों का बंटवारा नहीं होने पर कांग्रेस मुखर होकर सामने आई है. कांग्रेस ने मंत्रियों के बीच विभागों के बंटवारे में हो रही देरी पर कहा है कि राज्य में एक के बाद एक आपराधिक घटनाएं हो रही है और राज्य में कोई गृह मंत्री तक नहीं है. इसके साथ ही कांग्रेस ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के नाम पत्र लिखकर राज्य में जल्द से जल्द मंत्रियों के बीच विभागों के बंटवारे की मांग की है.इसे लेकर मध्य प्रदेश कांग्रेस ने बाकायदा भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम पत्र लिखा है. इस पत्र को सोशल मीडिया एक्स पर शेयर करते हुए मध्य प्रदेश कांग्रेस के मीडिया विभाग के उपाध्यक्ष अब्बास हफ़ीज़ ने लिखा है कि मध्य प्रदेश में सरकार बने हुए एक महीना होने वाला है, लेकिन अब तक सभी विभाग और ज़िले बिना मंत्रियों के ही चल रहे हैं. इसके आगे उन्होंने लिखा है कि बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को पत्र लिख कर कैबिनेट की नीलामी को रोकने और मंत्रियों के बीच तुरंत विभागों के बंचवारे के लिए पत्र लिखा है कांग्रेस नेता अब्बास हफ़ीज़ की ओर से सोशल मीडिया पर जो पत्र शेयर किया गया है।

कोर्ट ने बीमा कंपनी को दिया 55 लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश, पति की हादसे में हुई थी मौत

इंदौर। कोरोना पीड़ित पत्नी को देखने अस्पताल जा रहे पति को ट्रक ने

इतनी जोरदार टक्कर मारी कि उसकी मौके पर ही मौत हो गई। कोर्ट ने ट्रक का बीमा करने वाली कंपनी को आदेश दिया कि वह मृतक की पत्नी, पुत्री और माता-पिता को 55 लाख रुपये क्षतिपूर्ति के रूप में अदा करे। बीमा कंपनी को इस राशि पर प्रकरण प्रस्तुति दिनांक से ब्याज भी देना होगा। सड़क हादसा 24 जून 2020 को हुआ था। कंडीलपुरा निवासी संदीप पांडे की पत्नी दीपिका कोरोना पीड़ित होने के बाद अरबिंदो अस्पताल में भर्ती थीं। हादसे वाले दिन संदीप अपने दोपहिया वाहन से दीपिका को देखने के लिए अस्पताल जा रहे थे। सुपर कारिडोर टिगरिया बादशाह रोड पर ट्रक के चालक ने ट्रक को लापरवाहीपूर्वक चलाते हुए संदीप की मोटर साइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में संदीप की मौके पर ही मौत हो गई। उनकी पत्नी दीपिका, तीन माह के पुत्र और माता-पिता ने एडवोकेट किशोर गुप्ता, राखी अग्रवाल, गौतम गुप्ता और तेजू कुमार खीची के माध्यम से ट्रक का बीमा करने वाली कंपनी के खिलाफ जिला न्यायालय में क्षतिपूर्ति के लिए प्रकरण प्रस्तुत किया। न्यायालय ने प्रकरण का निराकरण करते हुए बीमा कंपनी को संदीप के आश्रितों को 54 लाख 90 हजार रुपये क्षतिपूर्ति के रूप में देने के आदेश दिए।

लोकसभा चुनाव 2024 में कांग्रेस का प्रत्याशी बनना हो सकता है नुकसानदेह

भिलाई। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में जिस प्रकार के परिणाम आए हैं उसे लेकर कांग्रेसियों में अभी चर्चा खत्म नहीं हुई है। तीन महीने बाद होने वाले लोकसभा चुनाव को लेकर अभी से कांग्रेसी कह रहे हैं कि लोकसभा चुनाव में जो भी कांग्रेस का प्रत्याशी बनेगा, उसके राजनीतिक जीवन दांव पर रहेगा। साथ ही यह भी कहा जा रहा है कि जिस तरह से विधानसभा चुनाव में मोदी ने अपनी ताकत दिखाई है, लोकसभा चुनाव में भाजपा उससे कई गुना अधिक ताकत झोंकेगी। इधर, विधानसभा चुनाव के बाद कांग्रेस पार्टी में लगातार गुटबाजी देखने को मिल रही है।

सचिन पायलट को बनाया गया छत्तीसगढ़ का प्रभारी

कांग्रेस के 15 पूर्व विधायक दिल्ली जाकर छत्तीसगढ़ के नेताओं की शिकायत कर चुके हैं। पार्टी में गुटबाजी थमने का नाम नहीं ले रही है। यही वजह मानी जा रही है कि कुमारी शैलजा को हटाकर अब राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट को छत्तीसगढ़ का प्रभारी बनाया गया है। माना जा रहा है कि नए प्रभारी पायलट द्वारा कांग्रेस की गुटबाजी पर अंकुश लगाया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव के दौरान जिस तरह से सभाएं ली, उसके बाद ही भाजपा के पक्ष में माहौल बना और परिणाम आए हैं।

गुना की घटना दुःखद और हृदयविदारक मृतकों के परिजनों से मिले मुख्यमंत्री अस्पताल जाकर घायलों का हाल जाना

मृतकों के परिजनों तथा गंभीर घायलों को आर्थिक सहायता की घोषणा

भोपाल। रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुना से आरोन जाते हुए बजरंगगढ़ के समीप हुई बस दुर्घटना में दिवंगत यात्रियों के परिजनों और घायल यात्रियों से जिला चिकित्सालय में मुलाकात की। उन्होंने दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए ई?वर से प्रार्थना की तथा उनके परिजनों को यह वज्रपात सहन करने कि शक्ति देने की कामना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घायल यात्रियों के परिजनों से मुलाकात कर बस हादसे में झुलसे यात्रियों के स्वास्थ्य की जानकारी ली तथा समुचित उपचार के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और घायल यात्रियों के शीघ्र स्वस्थ होने की ईश्वर से प्रार्थना की। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि शासन-प्रशासन घायलों के इलाज के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करेगा। उपचार में किसी भी प्रकार की कमी नहीं रहने दी जाएगी। डॉ. यादव ने जिला चिकित्सालय गुना के वार्ड में इलाज करा रहे घायलों के प्रत्येक बेड पर जाकर उनके स्वास्थ्य के संबंध में जानकारी ली तथा उन्हें शीघ्र स्वस्थ होने और इलाज के संबंध में आश्वासन प्रदान किया। इस दौरान क्षेत्रीय सांसद, विधायक गुना,सहित अन?य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि बस दुर्घटना में मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रूपये तथा गंभीर घायलों को 50-50 हजार रूपए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुना की बस दुर्घटना मामले में लापरवाही के लिए गुना के जिला क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी और नगर पालिका गुना के मुख्य नगर पालिका अधिकारी को गुना हादसे के बाद फायर ब्रिग्रेड सेवाएं उपलब्ध न कराए जाने के कारण तत?काल प्रभाव से निलंबित करने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देश पर कलेक्टर गुना तरूण राठी द्वारा बस दुर्घटना के कारणों की जांच के लिए अपर जिला द?डाधिकारी की अध्यक्षता में चार सदस्यीय जांच समिति गठित की गई है। गुना के अनुविभागीय अधिकारी, संभागीय उप परिवहन आयुक?त तथा सहायक यंत्री विद्युत सुरक्षा जांच समिति के सदस्य होंगे। यह समिति तीन दिन में जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि गुना की घटना दुःखद और हृदयविदारक है। दुर्घटना के कारणों की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। जो भी उत्तरदायी होगा, उसे छोड़ा नहीं जाएगा। हमारा प्रयास होगा कि ऐसी घटना दोबारा न हो पाए। हम दुःख की इस घड़ी में सभी मृतकों के परिजनों के साथ हैं। घायलों के लिए हमारी संवेदना है।

शहीद मनीराम जी का स्मारक भोपाल में बनना चाहिए जन्म भूमि पर भी इतिहासक काम हो : माधव सिंह अहिरवार

भोपाल। मध्यप्रदेश रविदासिया धर्म संगठन के अध्यक्ष श्री मानव सिंह अहिरवार ने बताया कि मध्यप्रदेश के महान क्रांतिकारी वीर मनीराम अहिरवार जी को हमारे संगठन में भोपाल की विधानसभा बैरसिया में समाज की महापंचायत आयोजन के अवसर पर शूरवीर मनीराम अहिरवार जी की फोटो की झांकी सजा कर उनके सुपौत श्री मूलचंद मेधोनिया का सम्मान दिया और महासभा के माध्यम से वीर मनीराम अहिरवार जी को राष्ट्रीय स्तर पर संमानित करने की पहल करने के लिए समूचा रविदासिया संगठन तैयार है। रविदासिया धर्म संगठन और सामाजिक संगठनों, विभिन्न महासभा के द्वारा लगातार प्रयास किया जा रहा है। आगे मध्यप्रदेश सरकार से पुरजोर मांग की जायेगी। शहीद सुपौत मूलचंद मेधोनिया ने रविदासिया धर्म संगठन और सभी सामाजिक संगठनों के जबादार सरोकार का सहयोग करने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया है। पूरा शहीद परिवार हमेशा सभी सामाजिक संगठनों के प्रति सम्मान व आभारी रहेंगे। भोपाल में समाज ज्यादा रहता है और जन्म स्थल पर भी बनना चाहिए मेरी राय से तो उनके नाम से एक जिला एक स्कूल और आने वाले पाठ्यक्रम में इनके द्वारा किए गए कार्यों को मध्य प्रदेश शासन द्वारा स्कूलों में पढ़ने का काम करना चाहिए अगर समाज में एकता रही और हम सब एक रहे तुझे काम बहुत आसानी से हम कर सकते हैं चाहे हम किसी भी दल में रहे किसी भी संगठन में रहे जब बात आती है हमारे समाज के महापुरुषों को मान सम्मान दिलाने की तो हम सबको एक होकर आगे आना चाहिए आप सभी 7 जनवरी को कार्यक्रम में आकर हम सब इस विषय पर चर्चा करें वर्तमान सरकार राज्य हो केंद्र दोनों को ज्ञापन देने का एवं मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री को इन सब कार्यों के लिए जानकारी देने का काम हम सब मिलकर करेंगे ।

उपमुख्यमंत्री श्री देवड़ा एवं केबिनेट मंत्री श्री प्रहलाद पटेल बाबा महाकाल के दर्शन को गये रविदास समाज परिषद ने किया अभिनन्दन

मूलचंद मेधोनिया पत्रकार भोपाल

उज्जैन। उपमुख्यमंत्री आदरणीय जगदीश देवडा जी एवं केबिनेट मंत्री प्रहलाद पटेल जी के उज्जैन आगमन पर सर्व रविदास अनुयाई समाज परिषद उज्जैन मध्य प्रदेश के पदाधिकारियों ने भेंट कर आगामी 3 मार्च 2024 को उज्जैन मे होने वाले युवक युवती परिचय सम्मेलन मे पधारने हेतु आमंत्रित कर स्वागत करते हुए परिषद के प्रदेश अध्यक्ष भाजपा नेता ओमप्रकाश मोहने, उपाध्यक्ष कैलाश चंद्र सूर्यवंशी, प्रदेश महासचिव रमेशचन्द्र सूर्यवंशी, सह सचिव भरत परमार, जिलाध्यक्ष राम चौहान ,मनोज बघेल ,नवीन गुजराती,अंकित मोहने आदि सामाजिक परिषद के वरिष्ठ लोगों ने अभिनन्दन किया

झारिया कल्याण संघ की बैठक संपन्न हुई जिसमें नगर निगम अजाक्स के नवनिर्वाचित अध्यक्ष अमित मेहरा का स्वागत किया गया

मूलचंद मेधोनिया पत्रकार भोपाल

जबलपुर। झारिया कल्याण संघ जबलपुर के दया नगर स्थित कार्यालय में बैठक संपन्न हुई जिसमें आगामी मार्च अप्रैल 2024 में संघ की ओर से आयोजित सामाजिक सम्मेलन एवं सामूहिक विवाह कार्यक्रम करने पर चर्चा की गई और इस अवसर नगर निगम जबलपुर अजाक्स अध्यक्ष के पद पर श्री अमित मेहरा के निर्वाचित होने पर समाज के और से उन्हें फूल माला पहनाकर एवं बुके देकर स्वागत किया गया इस अवसर पर डॉ.एन.पी झारिया ने अपने उद्बोधन में कहा की समाज की प्रगति के लिए सबको एकजुट होकर कार्य करना होगा ।तभी अंतिम छोर के व्यक्ति की मदद हो पायेगी ।संघ की ओर से अमित मेहरा को शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद दिया गया ।बैठक में अध्यक्ष डॉ.एन.पी. झारिया, संरक्षक गणेश सिंह झारिया, उपाध्यक्ष अजय झारिया, सचिव मथुरा झारिया, भीकम झारिया, कार्यवाहक अध्यक्ष संतोष झारिया, देवेन्द्र,झारिया, रामेश्वर झारिया हरि मेहरा ,महेंद्र मलिक ,भागवत झारिया,दीपचंद मारवे, मोंटू आदि उपस्थित हुए।

नगर निगम जगदलपुर के निराशा जनक रवैया से विधवा मां व विक्षिप्त बेटा दर-दर की ठोकरे खाने को मजबूर ...खुद के मकान पर कब्जा धारी के कब्जे पर कार्रवाई करने में आयुक्त को नहीं है कोई सरोकार ।

ज्ञात हो की चंद्रशेखर आजाद वार्ड क्रमांक 41 के अंतर्गत आने वाले सनसिटी अटल आवास में कुल 350 सासकिय के मकान है। जिसको निगम के अनुशंसा पर जिला कलेक्टर के द्वारा पात्रता रखने वाले गरीब परिवारों को आवंटन किया जाता है। मामला उक्त अटल आवास से संबंधित है विगत 7 महीना से निगम के चक्कर काटती पीड़ित विधवा महिला प्रभाव कश्यप को मकान नंबर क्र14 लगभग 10 वर्ष पूर्व आवंटन किया गया है, 10 वर्षों से पीड़ित महिला का परिवार पति व विक्षिप्त बेटे के साथ निवासरथ थी, इस बीच पति के एक ट्रक हादसे में बीमार होने से अपने पति के इलाज के लिए रायपुर उड़ीसा से लेकर अन्य जगहों पर अपने पति को लेकर इलाज करवाती रही, लंबे समय के बाद भी पति स्वस्थ नहीं हुआ तथा विगत 7 महीने पहले उसकी मृत्यु हो गई, जब वह अपने घर आई तो उसे पता चला कि अनियंत्रित वार्ड के लोग उसके घर में अवैध कब्जा करके बैठे हुए हैं, खाली करने को कहा गया तो कब्जा धारी ने मकान खाली करने से साफ इनकार कर दिया तब से आज पर्यंत तक पीड़ित महिला जिला कलेक्टर से लेकर निगम के चक्कर लगा रही है किंतु कार्रवाई शून्य। दो बार आयुक्त नगर पालिका निगम से मुलाकात कर अपनी व्यथा बताया गया किंतु, उनका कहना है कि हम काम करने के लिए बाध्य ही नहीं है। ऐसा कहकर जिला कलेक्टर के आदेशों का भी उल्लंघन करने में परहेज नहीं किया गया। ऐसी व्यवस्था अगर प्रशासन में है तो एक आम आदमी के लिए सारी शिकायतें मृग तृष्णा साबित होना लाजमी है। निगम के राजस्व अधिकारी से भी सतत मुलाकात कर मकान मुक्त करने की मांग किया जाता रहा परंतु उक्त पीड़ित विधवा महिला को न्याय देने जैसा कोई कदम निगम प्रशासन नहीं उठा रहा है। ऐसे ही शहर के अनेकों मामले हैं जो निगम के आला अधिकारियों के निराशा जनक रवैया के कारण कयी वर्षों से विचाराधीन है। इन्हीं मामलों से जुड़े जानकारी के लिए जब पत्रकार भी निगम आयुक्त को फोन कर जानकारी लेना चाहते हैं, किंतु उनका फोन भी उठाया जरूरी नहीं समझा जाता। यहां भी जवाब देही के लिए बाध्य ना होने जैसा जवाब आता है। जो की दुर्भाग्यपूर्ण है। कई बार ऐसे संबंधित विषयों को संज्ञान में लाने पर भी नजरअंदाज करना निगम प्रशासन की आम बात हो गई है। जबकि निगम प्रशासन अपने ही शासकीय चहेते कर्मचारियों को, जो तनखवाह भी लेते और पेंशन भी तथा किसी को हाऊसिंग बोर्ड में मकान तथा अटल आवास का भी एक मकान देकर लाभ पहुंचाया जा रहा, जबकि यह असंवैधानिक है।और गरीब की सुनवाई भी नहीं होती, टैक्स देने के बावजूद भी।यही विडम्बना

है। टैक्स भी बराबर ले रहे हैं किंतु उनकी सुनवाई नहीं हो रही है जबकि उन्ही परिवारों की टैक्स की राशि से सभी को तनख्वाह मिलता है। जगदलपुर में कुल 48 वार्ड होते हैं। परिसीमन के अनुसार 48 वार्डों में लगभग 90000 लोग निवासरत हैं, जिसमें गरीब परिवारों की आबादी ज्यादा है और सारी बुनियादी सुविधाओं के लिए निगम प्रशासन के ऊपर निर्भर रहते हैं यूं कहा जाए तो जिम्मेदारी निगम प्रशासन की होती है,। किंतु ऐसे ही नकारात्मक रवैया अधिकारियों द्वारा गरीबों को दिखाते रहे तो आम जनमानस के लिए सुविधा व न्याय कोसों दूर नजर आते हैं। उक्त विधवा महिला प्रभा कश्यप लोगों के घरों में झाड़ू पोछा बर्तन मांजकर अपने और अपने विक्षिप्त बेटे का भरण पोषण करती है, और बराबर अपने मकान का टैक्स भर्ती है। उसके मकान पर कब्जा होने के बाद अपने भाई के घर में आश्रित है, जिसकी कोई सुधि लेने वाला नहीं। जिला कलेक्टर कार्यालय से मार्क होने पश्चात भी निगम में कोई कार्रवाई नहीं होती यह सच और प्रमाणित है। महज खाना पूर्ति कागजों में ही किया जाता है और अच्छे कामों में फोटो सेशन के लिए तो सभी निगम के लोग अग्रणी पंक्ति पर खड़े रहते हैं। आज निगम में अफसर शाही हावी होती दिख रही है और पीड़ित पक्ष की कोई सुनवाई नहीं होती ऐसे में प्रशासन की कार्य प्रणाली को लेकर अनेकों सवाल आम जनमानस के मन में उठ रही है, जबकि विचाराधीन मामलों का निराकरण नहीं होता है ।इसी कशमकश में पीड़ित अब न्यायालय का रुख करने को बाध्य हो रहे हैं। देखना अब यह है कि निगम प्रशासन अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किस तरह करती है और कैसे पीड़ित लोगों को राहत पहुंचाती है...और भी कई मामले हैं बाकी अगले अंक में...

प्राथमिक शाला में मनाया गया वीर बलिदान दिवस

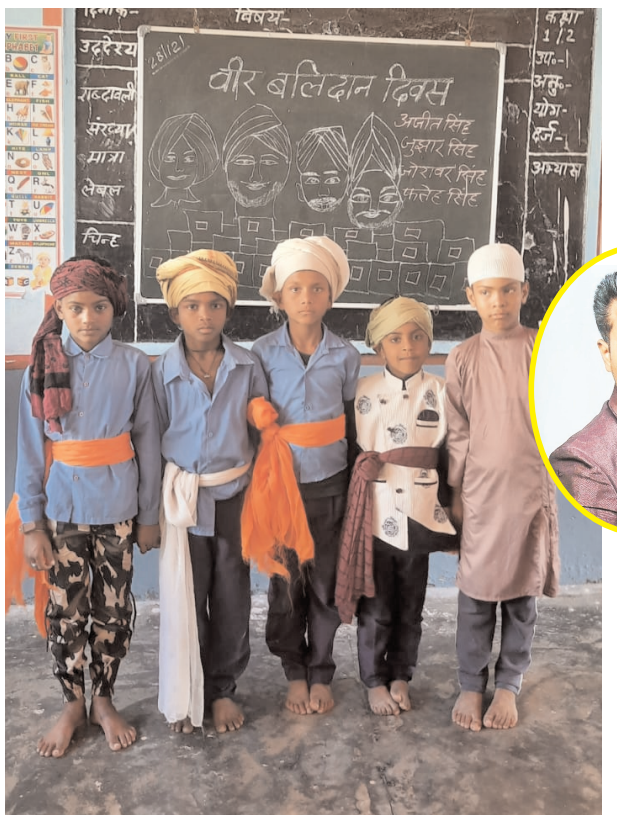

संवाददाता हेमंत शाक्या ?? संपर्क सूत्र 6263301848

नगर/तहसील सुल्तानपुर, जिला रायसेन मप्र// सुल्तानपुर। शासकीय प्राथमिक शाला सुल्तानपुर में सिक्खों के दशवें गुरु गुरूगोविन्द सिंह जी के चारों पुत्रों फतेह सिंह, जोरावर सिंह, जुझार सिंह,अजीत सिंह का बलिदान इतिहास में स्मृति के लिए वीर बलिदान दिवस के रूप में मनाया गया ।इस अवसर पर संस्था के छात्रों को साहिबजादों के रूप में सजाया गया ।संस्था के शिक्षक सुशील शर्मा द्वारा उनके जीवन पर विस्तार से बताया गया ।राष्ट्र, धर्म की रक्षा करते हुए उन्होंने अपने प्राणों का उत्सर्ग कर दिया था । उन्हें जिंदा ही दीवारों में चुनवा दिया गया था ।लेकिन उन्होंने धर्म की रक्षा के लिए किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया ।हमें उनसे प्रेरणा लेना चाहिए एवं अपने राष्ट्र, धर्म की रक्षा के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए ।गुरूगोविंद सिंह एवं उनके साहिबजादों का बलिदान हमें राष्ट्र कार्य करने के लिए प्रेरणा देता रहेगा ।इस अवसर पर शाला की शिक्षिका श्री मती उमा भार्गव समेत सभी छात्र-छात्रा उपस्थित रहे।

कोतमा विधानसभा विकास कार्यों के लिए मंत्री ने दिए 15.00 करोड रूपये की सौगात।

अनूप कुमार गुप्ता

अनुपपुर/कोतमा। विधनसभा क्षेत्र कोतमा से निर्वाचित विधायक एवं प्रदेश सरकार में राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार दिलीप जयसवाल द्वारा शपथ ग्रहण उपरान्त से क्षेत्र में लगातार विकाश कार्यों को प्राथमिकता से तरजीह दे रहे हैं। गत दिवस पूर्व ही इनके द्वारा डोला क्षेत्र में करोड़ों रूपये के विकाश कार्यों का भूमिपूजन किया गया था। वहीं एक बार फिर मंत्रीजी द्वारा गृहक्षेत्र सहित कोतमा विधानसभा अन्तर्गत भिन्न-भिन्न नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में 15 करोड़ रूपए के विकाश कार्यों की सौगात दी जा रही है।

बिजुरी नगर में 3 करोड़ की लागत से मंगल भवन सहित सड़क नाली एवं पुलिया निर्माण की सौगात-

विधायक दिलीप जायसवाल के मंत्रिमंडल में शामिल होते ही ग्रह नगर बिजुरी में 2.50 करोड़ रुपए की लागत से पंडित अटल बिहारी बाजपेयी मंगल भवन एवं 50.00 लाख रुपए की लागत से स्टेट बैंक मार्ग से बिजुरी कालरी वार्ड क्रमांक 06 से वार्ड क्रमांक 10 तक रोड नाली एवं पुलिया का निर्माण कराया जाएगा।

विधानसभा अन्तर्गत इन नगरपालिका एवं ग्राम पंचायतों को भी मिला सौगात-

नगर परिषद डोला मे स्व. पं.दीनदयाल उपाध्याय मंगल भवन निर्माण लागत 1.00 करोड, नगर परिषद राजनगर में वार्ड क्रमांक 01 से 04 तक नाला निर्माण लागत 1.00 करोड, नगर परिषद बनगवां में तलाब निर्माण लागत 50.00 लाख, नगर परिषद बनगवां में तालाब पर घाट निर्माण जीर्णोद्धार एवं पार्क निर्माण लागत 60.00 लाख, नगर परिषद बनगंवा में दुर्गा मंदिर मा. अटल बिहारी बाजपेयी वार्ड कमांक 04 में सड़क निर्माण लागत 40.00 लाख, नगर परिषद डूमरकछार में मुक्तिधाम निर्माण लागत 50,00 लाख, नगर परिषद डूमरकछार में ओपन जीम लागत 50,00 लाख साथ ही वार्ड नंबर 01,08,12,14,15 08 ग्राम पंचायत रेउन्दा पिपरहा में भगवान निशादराज मंगल भवन लागत 1.00 करोड़, ग्राम कोठी में संत शिरोमणी रविदास मंगल भवन लागत 1,00 करोड़, ग्रामपंचायत गुलीडांड़ में माता कर्मा मंगलभवन लागत 1.00 करोड़, ग्रामपंचायत देवगवां में माधव मंगल भवन लागत 1.00 करोड़, ग्राम पंचायत जर्राटोला मे भगवान शहस्त्रबाहु मगल भवन लागत 1.00 करोड़, नगर पालिका कोतमा में भगवान परशुराम मंगलभवन लागत 1.50 करोड़, ग्राम पंचायत बाडीखार में रानी दुर्गावती मंगलभवन लागत 50.00 लाख, ग्राम पंचायत लामाटोला में अमर शहीद भगवान बिरसा मुंडा मंगलभवन निर्माण लागत 50.00 लाख रुपए। इस प्रकार से कोतमा विधनसभा में विकास कार्यों के लिए कुल लागत 15 करोड रुपए की सौगात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जयसवाल द्वारा दी गई है।

लोगों ने जताया आभार-

विधायक दिलीप जायसवाल के मंत्रिमंडल में शामिल होते ही बिजुरी नगर सहित विधानसभा में विभिन्न कार्यों की सौगात मिलने पर नगर पालिका एवं विधानसभा अन्तर्गत निवासरत विभिन्न गणमान्य नागरिकों ने सहृदय आभार व्यक्त किया है।

महिला ने राज्यपाल से लगाई गुहार, बोली- मेरी बेटी से मिलवा दीजिए, पति ने कहा- कोर्ट से लेना

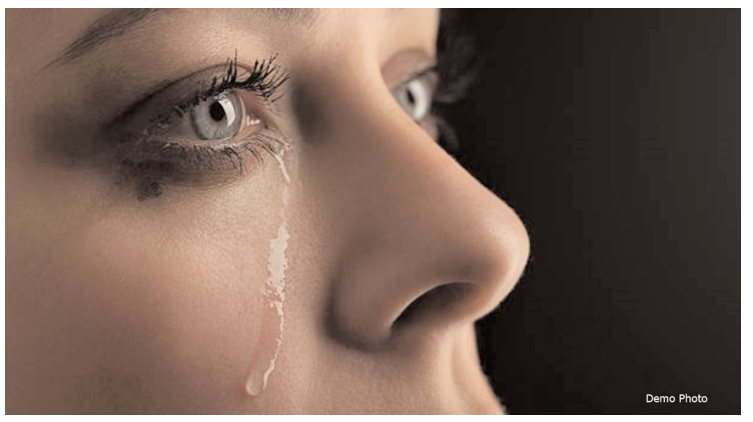

रायपुर। राजधानी रायपुर के बैरनबाजार स्थित पीडब्ल्यूडी कालोनी की रहने वाली राखी सिन्हा ने पांच साल की बेटी से मिलवाने के लिए राज्यपाल से गुहार लगाई है। एसपी से भी इस मामले में शिकायत की गई है। शिकायत में बताया गया कि पति अभिनव श्रीवास्तव के साथ शादी के कुछ समय बाद से लड़ाई-झगड़ा चालू हो गया था। 19 अक्टूबर को भी लड़ाई-झगड़ा हुआ और मारपीट की गई। आरोप है कि पति ने पत्नी को घर से धक्के मार कर बाहर निकाल दिया। उसने बेटी को अपने पास रख लिया है। महिला अभी अपने रिश्तेदार के यहां रह रही है। पीड़ित महिला ने बताया कि इस घटना के बाद पति बेटी से मिलने नहीं दे रहे थे। लगातार अपनी बेटी से मिलने के लिए प्रयास करती रही। मुलाकात नहीं होने पर महिला ने महिला आयोग और महिला थाने का दरवाजा खटखटाया, जिससे महिला आयोग ने पति को बेटी से हर 15 दिन में मुलाकात करवाने का आदेश दिया। महिला ने अपनी बेटी से हर दिन फोन में बात करने की इच्छा जाहिर की, लेकिन आयोग ने इस संबंध में कोई निर्णय नहीं दिया। राखी ने कहा कि उनका मामला एसडीएम कोर्ट में लंबित है। महिला का आरोप है कि इस सुनवाई के पहले ही बीते 10 दिनों से उन्हें सरेआम अज्ञात लोग धमकी दे रहे हैं। वे कह रहे हैं कि तू अभिनव साहब का कुछ नहीं बिगाड़ पाएगी। उनकी बहुत पहचान है। राज्यपाल से की इच्छा मृत्यु की मांग मामले में महिला ने राज्यपाल को भी पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने कहा कि उनकी बच्ची से उनकी रोज बात नहीं कराई जा रही है। अपनी बेटी के बिना वे नहीं रह सकतीं। उन्होंने निवेदन किया है कि उनकी बेटी को उन्हें वापस दिलवाया जाए, वरना उन्हें इच्छा मृत्यु की अनुमति दे दी जाए। इस संबंध में उन्होंने रायपुर पुलिस अधीक्षक को भी पत्र सौंपा है।

नाराज कलेक्टर ने सिम्स के भोजन ठेकेदार पर ठोंका एक लाख का जुर्माना

बिलासपुर। सिम्स की अव्यवस्था को लेकर छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की नाराजगी खुलकर सामने आई है। नाराज चीफ जस्टिस ने कलेक्टर से दोटूक पूछा कि अखबार में रोज खबरें छप रही हैं। आप सिम्स का निरीक्षण करने जाते हैं। वापस आने के बाद क्या हो रहा है यह देखने का आपका धर्म है या नहीं। निर्देश का कितना अमल हो रहा है, अस्पताल प्रबंधन कितना गंभीर है। यह सब कौन देखेगा। किसकी जिम्मेदारी है। जनहित याचिका की सुनवाई के लिए डिवीजन बेंच ने 17 जनवरी की तिथि तय कर दी है। वही कलेक्टर अवनीश शरण ने सिम्स का गुरुवार को दोबारा निरीक्षण किया। इस दौरान विभिन्न वार्डों का दौरा कर मरीजों से चर्चा की व मिल रही सुविधाओं को लेकर जानकारी ली। मरीजों ने भोजन की गुणवत्ता को लेकर शिकायत दर्ज कराई। जांच के दौरान मरीजों की शिकायत सही पाई गई। कलेक्टर ने ठेकेदार फिलिप्स केटरर्स पर एक लाख रुपये का जुर्माना ठोंका है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा व जस्टिस रविंद्र अग्रवाल की डिवीजन बेंच में जनहित याचिका में सुनवाई हो रही है। चीफ जस्टिस की नाराजगी के बीच कलेक्टर अवनीश शरण ने अपनी बात रखी। उन्होंने बताया कि सुबह सिम्स का निरीक्षण करने गए थे। निरीक्षण के दौरान अफसरों से यह भी पूछा कि कल जो निर्देश दिए थे उस पर कितना अमल किया गया है। क्या-क्या काम किए गए हैं। निर्देश पर अमल हो रहा है या नहीं इसकी भी हमने निगरानी की है। संबंधित जिम्मेदारी अफसरों से सीधी बात की है। कलेक्टर अवनीश शरण ने चीफ जस्टिस को बताया कि सिम्स की व्यवस्था दुरुस्त करने में जो लोग आड़े आ रहे हैं और जो लोग निर्देश के बाद भी गंभीरता के साथ अमल नहीं कर रहे हैं, ऐसे लोगों की पहचान कर ली गई है। कलेक्टर ने कोर्ट को आश्वस्त करते हुए कहा कि ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। खुद ही कानून के दायरे में जो भी संभव

है सख्त कार्रवाई करेंगे। चीफ जस्टिस के सवाल पर कलेक्टर ने कहा कि सुबह के वक्त जब सिम्स का निरीक्षण करने गए थे उस दौरान एक मरीज ने बताया कि आलमारी में काकरोच है। जब मैंने खोलकर देखा तो वाकई काकरोच थे। कलेक्टर ने कहा कि सर यह व्यवस्था तो प्रबंधन को करनी है। व्यवस्था दुरुस्त करना स्वाभाविक प्रक्रिया है। डीएम के निर्देश जारी होंगे तभी सब ठीक करेंगे। कलेक्टर के जवाब के बाद चीफ जस्टिस ने कहा कि यह तो संबंधित संस्थान के प्रभारी से लेकर मातहत अधिकारी व कर्मचारी का कर्तृत्व्य बनता है कि कार्यालय को कैसे रखा जाए। सीजे ने फिर सवाल किया, सिम्स के एमएस और डीन क्या कर रहे हैं। व्यवस्था सुधारने और ठीक रखने का काम प्रबंधन का होता है। जिम्मेदार अपनी जिम्मेदारी सही ढंग से निभा नहीं पा रहे हैं। कलेक्टर अवनीश शरण ने चीफ जस्टिस से एक सप्ताह की मोहलत मांगी।

उन्होंने सात दिन में व्यवस्था दुरुस्त करने का आश्वासन दिया और कहा कि वे लगातार निगरानी करेंगे। हर दूसरे दिन औचक निरीक्षण करेंगे। व्यवस्था सुधारने में रोड़ा बनने वाले अफसर से लेकर स्टाफ पर कार्रवाई करेंगे। कलेक्टर जब अपनी बात रख रहे थे उसी बीच सिम्स के डीन कलेक्टर के पीछे खड़े थे, तब चीफ जस्टिस ने पूछा आप कौन हैं। कलेक्टर ने बताया सिम्स के डीन हैं। तब सीजे ने पूछा कब से हैं। डीन ने जवाब दिया 2021 से। इस पर चीफ जस्टिस ने पूछा कि इतने साल से आपने क्या किया। डीन के जवाब के बाद सीजे ने कहा कि राउंड लेने से व्यवस्था आपने सुधार ली क्या। चीफ जस्टिस ने कलेक्टर से कहा कि आम लोगों के लिए अस्पताल में सुविधाएं बढ़ाइए। लोगों की उम्मीद पर खरा उतरें। आम लोगों को अच्छी चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराइए। ऐसा कर लिया तो लोग आपको दुआएं देंगे कलेक्टर ने अपने जवाब में तीन कारण गिनाए हैं। आधारभूत संरचना में कमी को काफी हद तक सुधार लिया गया है। चिकित्सक व नर्स समय पर नहीं पहुंच रहे हैं। कुछ चिकित्सक निजी प्रैक्टिस पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं।

दिलीप जायसवाल को राज्य मंत्री बनाए जाने पर भाजपा कार्यकर्ताओं में हर्ष, मनाई खुशियां

अनूप कुमार गुप्ता

अनूपपुर/कोतमा। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के द्वारा अनूपपुर जिले के कोतमा विधानसभा क्षेत्र से दूसरी बार भाजपा से निर्वाचित विधायक दिलीप जायसवाल को राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार बनाए जाने की जानकारी मिलते ही अनूपपुर जिले के भाजपा के सभी कार्यकर्ता और पदाधिकारी में खुशी की लहर दौड़ पड़ी और चारों तरफ पटाखे फोड़ कर मिष्ठान का वितरण करते हुए कार्यकर्ताओं ने खुशियां मनाते हुए दिलीप जयसवाल को शुभकामनाएं दी। भाजपा जिला अध्यक्ष रामदासपुरी सहित जिले के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने शुभकामना देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की.

दिलीप जायसवाल का राजनीतिक जीवन सफर:

60 वर्षीय दिलीप जायसवाल दूसरी बार विध यक निर्वाचित हुए हैं। इससे पहले वह 2008 में विधायक निर्वाचित हुए थे इसके पश्चात 2018 में पार्टी ने उन्हें अपना प्रत्याशी घोषित किया लेकिन सफलता हासिल नहीं हुई। एक बार फिर से भाजपा ने उन पर पूरे भरोसे के साथ चुनाव मैदान में उतारा और सफलता हासिल हुई दिलीप जायसवाल शुरू से ही भाजपा से जुड़े रहे जहां पहली बार 1986 में वह भाजपा के नगर अध्यक्ष बनाए गए। 1990में नगर पालिका बिजुरी से पार्षद भी निर्वाचित हुए।1995 में जब अनूपपुर जिला अस्तित्व में नहीं आया था और संयुक्त शहडोल जिला था तो भाजपा संगठन में उन्हें जिला मंत्री का दायित्व दिया गया। 2006 में उन्हें भाजपा अनूपपुर का जिला अध्यक्ष बनाया गया। 2008 में पार्टी ने उन्हें कोतमा विधानसभा से विधायक प्रत्याशी घोषित किया । इसके पश्चात 2018 में भी पार्टी ने विधायक उम्मीदवार घोषित किया लेकिन सफलता हासिल नहीं हुई। 2023 में फिर से चुनाव में इन्होंने जीत दर्ज की ।

राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार बनाए जाने पर कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न: कोतमा विधायक दिलीप जायसवाल को राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार की जिम्मेदारी मिलने के पश्चात अनूपपुर जिले के सभी स्थानों पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने जमकर आतिशबाजी करते हुए खुशियां मनाते हुए भाजपा प्रदेश नेतृत्व एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के प्रति आभार प्रकट किया तथा मंत्री जायसवाल को शुभकामना संदेश देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामना की।

भाजपा नेताओं ने दी बधाई

कोतमा विधायक दिलीप जायसवाल को राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार मिलने के पश्चात शहडोल संसदीय क्षेत्र की सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह कोल विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त रामलाल रौतेल भाजपा के जिला अध्यक्ष रामदास पुरी भाजपा वरिष्ठ नेता अनिल गुप्ता आधाराम वैश्य राम अवध सिंह ज्ञानेंद्र सिंह परिहार अखिलेश द्विवेदी जितेंद्र सोनी हीरा सिंह श्याम सुनील चौरसिया गजेंद्र सिंह अरुण प्रताप सिंह हनुमान गर्ग मंडल अध्यक्ष पुष्पेंद्र जैन भूपेंद्र महरा राजेश कलसा अजय द्विवेदी शिवरतन वर्मा सत्यनारायण सोनी मुकेश पटेल महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष श्रीमती रश्मि खरे युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष रवि राठौर, चंद्रिका द्विवेदी लाल बहादुर जायसवाल उमेश मिश्रा राजू गुप्ता मनोज द्विवेदी राजेश सिंह के अलावा भारतीय जनता पार्टी के सभी कार्यकर्ता और पदाधिकारी ने दिलीप जायसवाल को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उपरोक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी राजेश सिंह द्वारा दी गई।

आधी रात में पुलिस स्टेशन पहुंचे पुलिस कमिश्नर, द्वारकापुरी थाने में नहीं मिला हवालात

इंदौर। मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव से मिलें निर्देशों के बाद अफसरों ने औचक दौरे शुरू कर दिए। गुरुवार देर रात नगरीय सीमा में आयुक्त-उपायुक्त ने थानों का निरीक्षण किया। आयुक्त ने दो थानों की व्यवस्था देखी। एक थाने में हवालात न देख कर चौक गए। इस थाने के मुलजिमों को करीबी थानों की हवालात में बैठाना पड़ता है। पुलिस मुख्यालय में हाल ही मुख्यमंत्री ने बैठक लेकर थानों की व्यवस्था देखने के लिए कहा था। पुलिस आयुक्त मकरंद देऊस्कर रात करीब 2 बजे द्वारकापुरी और राजेंद्र नगर थाने का निरीक्षण करने पहुंचे तो पुलिसकर्मी चौंक गए। द्वारकापुरी थाना दो कमरों से संचालित हो रहा है। यहां थाना प्रभारी का केबिन तो है लेकिन मुलजिमों को बैठाने के लिए हवालात नहीं है। आयुक्त ने टीआइ से पूछा तो कहा कि संदेहियों को तो एचसीएम के सामने बैठा लेते है। रिमांड पर आए मुलजिमों को रात में अन्नपूर्णा और चंदन नगर थाने में रात बिताना

पड़ती है। सुबह होते ही पूछताछ के लिए ले आते हैं।

एसपी ने ग्रामीण थानों को जांचा

एसपी (ग्रामीण) सुनील मेहता ने देर रात क्षिप्रा और खुड़ैल थाने का निरीक्षण किया। थाने का रिकार्ड, हवालात में बैठे मुलजिमों को देखा। लंबित अपराध, मर्ग निराकरण और थाना परिसर में खड़े जब्त वाहनों के बारे में पूछताछ की। एसपी ने यह भी कहा कि नववर्ष पर नाकों पर विशेष चेकिंग व्यवस्था की जाए।

भोपाल में एक दिन में मिले कोरोना के पांच मरीज

भोपाल। शहर में करीब दो साल बाद एक दिन में कोरोना के पांच मरीज मिले हैं। इससे पहले दिसंबर 2021 में कोरोना के पांच मरीज सामने आए थे। अब तक राजधानी में कोरोना के आठ मरीज एक्टिव है। दो मरीजों को सांस लेने में तकलीफ होने पर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दो मरीजों को डिस्चार्ज किया जा चुका है। जानकारी के मुताबिक जो मरीज मिले है, उन्होंने कोविशील्ड वेक्सिन के दो डोज लगवाएं हैं। सीएमएचओ डा. प्रभाकर तिवारी ने बताया कि ओपीडी में आने वाले सर्दी-खांसी के मरीजों की आरटीपीसीआर जांच कराई जा रही है। कोरोना का यह वैरिएंट ज्यादा

खतरनाक नहीं है। चार-पांच दिन में मरीज खुद ठीक हो जाता है। लोगों को मास्क, सेनेटाइजर और सामाजिक दूरी का पालन करना चाहिए। अगर किसी रोगी में लक्षण मिलते हैं तो वह होम क्वारंटीन हो सकता है। चार से पांच दिनों में मरीज ठीक हो जाता है। कोरोना से बचाव के लि?ए आम जनता को भी जागरुक रहने की जरुरत है। यह वैरिएंट ज्यादा खतरनाक नहीं है, लेकि?न इसका मतलब यह नहीं की आप चि?ंता ना करे। सावधानी से रहे और मास्?क का उपयोग ज्यादा से करे।

खतरनाक स्पीड से ओवरटेक कर रहा था सिटी बस ड्राइवर, लोगों ने रोका तो अभद्रता की, शिकायत दर्ज

इंदौर
सिटी बस की फिर खतरनाक ड्राइविंग

इंदौर। शहर की सिटी बस विवादों से बाहर नहीं निकल पा रही है। आए दिन सिटी बस की खतरनाक ड्राइविंग, लोगों से अभद्र व्यवहार की शिकायतें रोज आ रही हैं। ऐसा ही मामला गुरुवार को शिवाजी वाटिका पर सिटी बस एमपी 09 एफए 6095 का आया। लोगों ने बताया कि यह सिटी बस काफी खतरनाक तरीके से पलासिया की तरफ से आ रही थी। शिवाजी वाटिका खतरनाक तरीके से गाड़ियां को ओवरटेक कर रही थीं।

बस ड्राइवर ने की अभद्रता

आजाद नगर निवासी डा. सुरेन्द्र तंवर ने बताया कि दोपहर में हॉस्पिटल से घर जा रहा था। यह बस खतरनाक तरीके से लोगों को ओवरटेक करते हुए जा रही थी। कुछ दूर तक मैंने पीछा करके बस को रोका। चालक परिचालक से बस आराम से चलाने को कहा तो वह मुझसे अभद्रता करने लगे। बहस करने के बाद दोनों बस लेकर वहां से चले गए। मैंने इसकी शिकायत अटल सिटी बस दफ्तर में भी की, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। सिटी बस की पीआरओ माला ठाकुर ने बताया कि बस के बारे में तुरंत जानकारी की जा रही है। जो भी दोषी पाया जाएगा, उस सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बाइक सवार महिला ने सड़क पर कचरा फेंका, नगर निगम कर्मचारियों ने काटी जुर्माने की रशीद

भोपाल। भेल क्षेत्र के जोन क्रमांक 14 में काम पर जाते समय एक दंपत्ति को सड़क पर कचरा फेंकना भारी पड़ गया। दरअसल पति के साथ बाइक पर सवार महिला ने कचरे की बोरी सड़क पर फेंक दी। ऐसा करते हुए नगर निगम कर्मचारियों ने देख लिया और तीन किलोमीटर तक उसका पीछा किया। जब दंपत्ति पकड़ में आए तो निगम कर्मियों ने उनका वीडियो दिखाते हुए उनपर 500 रुपये का जुर्माने की रसीद काट दी। साथ ही समझाइश भी दी कि आगे से इस तरह सड़क पर कचरा न फेंके। जोन 14 के एएचओ राकेश शर्मा ने बताया कि पिपलिया पेंदे खां स्थित शिव मंदिर के पास रहने वाले संजय रैदास और ममता गुरूवार की सुबह सवा आठ बजे एम्स अस्पताल के पीछे सड़क पर अपनी मोटर सायकल से कचरा फेंक कर

जा रहे थे। तभी कर्मचारियों ने यह देख लिया। हालांकि इसके पहले भी दंपत्ति के द्वारा इस प्रकार सड़क पर कचरा फेंकते हुए कर्मचारियों ने उन्हें पकड़ा था। लेकिन तब समझाइश देकर छोड़ दिया था। लेकिन गुरुवार को कर्मचारियों ने बाईक का तीन किलो मीटर तक पीछा किया और उन्हें रोक कर इस बारे में पूछा। दोनों ने अपनी गलती मानी। कर्मचारियों ने कचरा फेंकने पर 500 रूपए का स्पाट फाईन लगाया।

हारे प्रत्याशियों को लोकसभा चुनाव में मिलेगी ये बड़ी जिम्मेदारी, मध्य प्रदेश में ऐसा है भाजपा का चुनावी प्लान

भोपाल। विधानसभा चुनाव में प्रचंड बहुमत से विजय प्राप्त करने के बाद अब भाजपा लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुट गई है। बुधवार को राष्ट्रीय पदाधिकारियों के साथ हुई बैठक के बाद गुरुवार को राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिव प्रकाश, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने हारे हुए प्रत्याशियों के साथ बैठक की। इसमें प्रत्याशियों से हार के कारण और भितरघात को लेकर भी बात हुई। हारे हुए प्रत्याशियों ने अपने विधानसभा क्षेत्र की रिपोर्ट बनाकर प्रदेश संगठन को सौंपी हैं। जिन सीटों पर भाजपा को बड़े अंतर से हार मिली है, वहां भाजपा लोकसभा चुनाव में पूरी ताकत से जुटेगी। जिन सीटों पर कम अंतर से हार मिली है, वहां के प्रत्याशियों को पार्टी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देगी। हार के कारणों पर मंथन के बाद भितरघात करने वालों को बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा। छिंदवाड़ा के हारे हुए प्रत्याशियों ने भितरघात करने वालों की सूची भी संगठन को सौंपी है। पार्टी ने तय किया है कि हारे हुए प्रत्याशियों को लोकसभा चुनाव का प्रभारी बनाकर विधानसभावार जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। लोकसभा चुनाव के बाद भी वे प्रभारी की भूमिका में रहेंगे। बैठक के बाद प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने मीडिया से चर्चा में कहा कि भाजपा हमेशा से जीत और

हार दोनों की समीक्षा करती है। विधानसभा चुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक प्रचंड बहुमत की जीत के बाद हमारे ऐसे प्रत्याशी जिन्हें सफलता नहीं मिल सकी, उन सभी के साथ बैठक की है। विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि कई कार्यकर्ता (प्रत्याशी) तो ऐसे हैं जो 600, 500 और 145 वोटों से भी हारे हैं। कुछ विधानसभा सीटों पर हम बहुत कम मतों से पीछे रह गए। ऐसे प्रत्याशी आगामी कार्ययोजना के साथ लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जुटेंगे। विकसित भारत संकल्प यात्रा को सभी विधानसभा क्षेत्रों में यशस्वी बनाना, यात्रा के माध्यम से गरीब कल्याण के कार्य को ताकत देने का काम करेंगे। हारे हुए प्रत्याशी, संगठन के साथ मिलकर विकसित भारत एंबेसेडर बनाएंगे। बैठक के बाद डबरा से प्रत्याशी रहीं इमरती देवी ने मीडिया से चर्चा में कहा कि मध्य प्रदेश में अनुसूचित जाति के लिए सुरक्षित चार लोकसभा सीटें हैं। पार्टी नेतृत्व जहां से लड़ाएगा, मैं लड़ने के लिए तैयार हूं। उन्होंने कहा कि मेरे हारने का कोई कारण नहीं है। मेरी किस्मत में जीतना नहीं था, इसलिए हारीं। अब पार्टी ने लोकसभा चुनाव में जुटने का आदेश दिया है। हमारा फोकस प्रदेश की सभी 29 लोकसभा सीटें जीतना है।

सड़क दुर्घटना में घयाल भिखारी की शिवसेना के जिलाध्यक्ष ने की मदद

जगदलपुर / छत्तीसगढ़ । छत्तीसगढ़ के जगदलपुर ज़िला मुख्यालय के बोधघाट थाना क्षेत्र के अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग गुज़रती है। जैसे ही राष्ट्रीय राजमार्ग नगर सीमा के भीतर प्रवेश करती है यहां हवाई पट्टी, भारतीय खाद्य निगम की सरकारी गोदाम, सरकारी और निजीकरण कॉलोनी सहित चरपहिया वाहनों के शोरूम इत्यादि आते हैं। यहां अचानक अंधा मोड़ का निर्माण हो जाता है जिस कारण विपरीत दिशा से आ रही वाहने दिखाई नही पड़ती है। जो कि दुर्घटना का कारण बनती हैं। पूर्व में भी कई बार शिवसेना के जिलाध्यक्ष द्वारा स्थानीय प्रशासन और पुलिस प्रशासन से इस विशेष स्थान पर बेरीकेट्स लगवाने और ट्रेफिक पुलिस कि ड्यूटी लगाने का सुझाव दिया था। लेकिन शिवसेना के सुझाव का प्रशासन द्वारा नज़र अंदाज़ करने का खामियाज़ा आज सड़क दुर्घटना के रुप में एक ग़रीब भिखारी ने चुकाई है। दोपहर लगभग 12 बजे इस मार्ग पर एयरपोर्ट से बोधघाट थाना के तरफ़ आ रही ट्रक ने अंधा मोड़ के पास ही एक पैदल भिखारी को ठोकर मारी। जिससे भिखारी के दाहिने पैरों में भारी चोट आई है। पैरों के उँगलियों के बीच मांस फटने के कारण दर्द से करहता हुआ भिखारी सड़क पर ही पड़ा था जबकि ट्रक ड्राइवर वहां से भाग निकला। उसी समय बस्तर ज़िला के सिविल सर्जन डॉ. संजय प्रसाद और शिवसेना के ज़िला अध्यक्ष अरुण पाण्डेय उस मार्ग से गुज़र रहे थे। जिन्होंने भिखारी को तड़पते देखकर उसकी मदद किया। स्वयं सिविल सर्जन डॉ. संजय प्रसाद ने एम्बुलेंस को फ़ोन करके बुलाया तथा शिवसेना के जिलाध्यक्ष अरुण पाण्डेय ने सहयोगियों के साथ भिखारी को अस्पताल लेजाकर उपचार करवाया और घटना कि जानकारी वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जीतेन्द्र मीणा को फ़ोन के माध्यम से दिया। शिवसेना द्वारा तत्काल उक्त अंधा मोड़ में ट्रेफिक पुलिस कि ड्यूटी लगवाने और बेरीकेट्स कि व्यवस्था करने की मांग कि गई है।

सरकार ने दो महिला कमांडोज को दिया आउट ऑफ टर्न

दंतेवाड़ा। दंतेवाड़ा जिले में महिला कमांडोज की टुकड़ी नक्सलियों के कोर इलाके में घुसीं, हार्डकोर नक्सली कमांडर हूंगा वट्टी का एनकाउंटर किया, अब सरकार ने इस टुकड़ी में से दो महिला कमांडोज को आउट ऑफ टर्न दिया है। सुनैना पटेल और रेश्मा कश्यप छत्तीसगढ़ और बस्तर की ही नहीं बल्कि देश की पहली ऐसी महिला कमांडोज हैं जिन्हें नक्सलियों का एनकाउंटर करने के बाद आउट ऑफ टर्न दिया गया है। ये दोनों दंतेवाड़ा में छत्तीस की दंतेश्वरी फाइटर्स में तैनात हैं। दंतेवाड़ा में साल 2021 में पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि, कटेकल्याण थाना क्षेत्र के जंगमपाल और गादम के बीच नक्सलियों का जमावड़ा है। यहां नक्सली कमांडर हूंगा वट्टी भी मौजूद है। सारे नक्सली हथियारों से लैस हैं। इसी सूचना के बाद दंतेवाड़ा पुलिस ने छत्तीस की महिला कमांडोज को पुरुषों की टीम के साथ मौके के लिए रवाना किया था। छत्तीस की पुरुष और दंतेश्वरी फाइटर्स की महिला कमांडोज ने नक्सलियों को घेर लिया था।

शराब में मिलावट, आबकारी उपनिरीक्षक निलंबित,चार कर्मचारी बर्खास्त

अंबिकापुर। अंबिकापुर के बौरीपारा गाड़ाघाट स्थित शराब दुकान में मिलावट का वीडियो इंटरनेट मीडिया में प्रसारित होने के बाद आबकारी उपनिरीक्षक सौरभ साहू को निलंबित कर दिया गया है। चार कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया गया है। आबकारी आयुक्त छत्तीसगढ़ ने उक्त कार्रवाई की है। अंबिकापुर शहर के गाड़ाघाट स्थित शराब दुकान के कर्मचारियों द्वारा मिलावट करते वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हुआ था। कलेक्टर कुंदन कुमार ने भी प्रकरण को गंभीरता से लिया था। उनके निर्देश पर भी जांच चल रही थी। यह वीडियो वहीं के एक निष्कासित कर्मचारी ने प्रसारित किया था। इधर आबकारी आयुक्त महादेव राव कावरे ने उपायुक्त आबकारी संभागीय उडऩदस्ता सरगुजा से जांच कराई थी। जांच में शराब में मिलावटी संबंधी वीडियो विदेशी मदिरा दुकान बौरीपारा अंबिकापुर का पाया गया। आबकारी आयुक्त ने वीडियो में दिख रहे शराब विक्रयकर्ता बृज बिहारी गुप्ता, विजय नंद राजवाड़े, मल्टीपर्पस वर्कर सुरेश कुमार राजवाड़े व सुरक्षा गार्ड रामसेवक तिर्की के विरुद्ध ब्लैक लिस्टेड की कार्रवाई करते हुए नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया है। वहीं दुकान के प्रभारी अधिकारी सौरभ साहू उप निरीक्षक आबकारी को कार्य में लापरवाही पाए जाने पर निलंबित कर दिया है।

गले में लटका गमछा बाइक में फंसने से गिरी मां की मौत

कोरबा। बेटे के साथ बाइक पर सवार होकर जाते समय वृद्ध मां की साड़ी व गमछा का एक सिरा चैन में फंस गया और वह नीचे गिर पड़ी। गंभीर रूप से चोंट लगने पर वृद्धा की मौत हो गई।जानकारी के मुताबिक कटघोरा थाना अंतर्गत रजकम्मा राष्ट्रीय राजमार्ग में यह घटना हुई। बक्साही निवासी सुनील कुमार ने बताया कि उसका छोटा भाई संदीप कुमार ग्राम तुमान से खुद की बाइक क्रमांक सीजी 10 एएल 1454 में पीछे मां भागमती पति पुन्नूराम विनायक 60 वर्ष को बिठाकर ग्राम बक्साही जा रहा था। इस दौरान रास्ते में रजकम्मा मेन रोड पर भागमती के गले में मौजूद गमछा और साड़ी का किनारा बाइक के चैन और चक्के में फंस गया। इससे भागमती सड़क पर गिर पड़ी और गला, पीठ, पैर में गंभीर चोट लगी। उसे उपचार के लिए कटघोरा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, लेकिन परीक्षण उपरांत चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पुलिस ने वैधानिक कार्रवाई के बाद शव का पोस्टमार्टम करा अंतिम संस्कार के लिए स्वजनों को सौंप दिया।

दो लाख के सोने-चांदी के जेवरात समेत चोरों ने नकद किया पार

कोरबा। पाली क्षेत्र में एक मकान में घुस कर अज्ञात चोरों ने दो लाख के सोने-चांदी के जेवरात समेत 20 हजार नकद रकम की चोरी कर ली। सुबह जब परिवार के सदस्यों की नींद खुली, तो घर के कमरे का ताला टूटा देखा, तब उनके होश उड़ गए। पाली थाना पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है। पूरा मामला पाली थाना क्षेत्र का है। अश्वनी पटेल 29 वर्ष व उनका परिवार बुधवार की रात खाना खाने के बाद सो गए। देर रात को अज्ञात चोरों ने घर के पीछे के रास्ते से घर के अंदर प्रवेश किया। जिस कमरे में सोने-चांदी के आभूषण रखे हुए थे, उस कमरे का ताला तोड़कर चोरों ने पेटी समेत सोने-चांदी और नगदी रकम को चोरी कर फरार हो गए। अश्वनी का कहना है कि सुबह नींद खुलने पर उन्हें चोरी होने की जानकारी हुई। इसके बाद उन्होंने घटना की सूचना पाली थाना पुलिस को दी। पुलिस ने डाग स्क्वायड टीम की मदद ली। इस दौरान चोरी हुए पेटी घर के पीछे के बाउंड्रीबाल परिसर से बरामद किया गया, लेकिन पेटी में रखे जेवर व रकम गायब थे। पाली थाना प्रभारी दलबल समेत जांच कर रहे हैं। लेकिन पुलिस को चोरों को संबंध में कुछ खास सुराग नहीं मिल पाया। पाली पुलिस का कहना है कि मामला दर्ज कर लिया गया है और विवेचना की जा रही है। जल्द ही चोरों का पता लगा लिया जाएगा।

शौचालय को स्वच्छ रखने अभियान, सीआइ व सीएचआइ को कमान

बिलासपुर। रेलवे स्टेशन में उपलब्ध शौचालय की अव्यवस्था दूर करने के लिए रेलवे बोर्ड ने अभियान चलाने का फरमान दिया है। इस आदेश के बाद बिलासपुर रेल मंडल में मंडल वाणिज्य निरीक्षक व मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षकों को नामित किया गया है। टूट-फूट ठीक कराने से लेकर नियमित सफाई सुनिश्चित करना इनकी अहम जिम्मेदारी होगी। रेलवे में स्वच्छता को लेकर लगातार कार्यक्रम के साथ अभियान भी चलाए जा रहे हैं। इससे काफी हद सुधार भी आया है। हालांकि शौचालय की स्वच्छता जिस तरह होनी चाहिए, उसका अभाव लगातार नजर आ रहा है। यह समस्या अकेले बिलासपुर या रेल मंडल के अन्य स्टेशनों की नहीं है। देशभर के रेलवे स्टेशनों में इस तरह की स्थिति है। जिसे देखते हुए ही रेलवे बोर्ड ने सभी जोन को स्वच्छ शौचालय अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। इसी के तहत ही बिलासपुर मंडल के स्टेशनों पर मौजूद शौचालयों की स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए स्वच्छ शौचालय अभियान चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत स्टेशनों पर मौजूद वर्तमान शौचालयों की बेहतर सफाई सुनिश्चित करने के लिए संबंधित स्टेशनों के मंडल वाणिज्य निरीक्षकों व मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षकों को नामित किया गया है। साथ ही बेकार शौचालयों को चिन्हांकित कर उसे सुधार करने के लिए विशेष निर्देश भी दिए गए हैं। इस अभियान के तहत

नामित पर्यवेक्षकों द्वारा स्टेशनों के प्लेटफार्म, प्रतीक्षालय, विश्रामालय, कार्यालयों के शौचालयों एवं स्नानघरों तथा स्टेशन परिसर में स्थित यूरिनल आदि का विशेष निरीक्षण कर बेहतर साफ सफाई सुनिश्चित की जा रही है। खासकर मुख्य स्टेशनों में, जहां यात्रियों की अधिक भीड़ रहती और वहां के शौचालय में गंदगी ज्यादा होती है। नियमित मानिटरिंग करने से इस तरह की अव्यवस्था दूर की जा सकती है। इसके अलावा नामित अधिकारियों के द्वारा एक रिपोर्ट भी दी जाएगी, जिसमें किए गए सुधार और भविष्य में उसे और कितना बेहतर सुधारा जा सकता है, इसकी जानकारी देनी है।

उद्घोषणा के जरिए भी जागरूकता

इसके अतिरिक्त उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से यात्री एवं आमजन को रेलवे लाइन के किनारे व रेलवे परिसर में खुले में शौच न करने तथा स्टेशन, गाड़ियों और रेलवे परिसरों में गंदगी फैलाने से होने वाली बीमारियों के बारे में जागरूक किया जा रहा है। यात्रियों से गाड़ियों में उपलब्ध बायोटायलेट के उचित प्रयोग की जानकारी भी प्रदान की जा रही है। इसके साथ ही सफाई में उपयोग होने वाली सामानों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। इसके अलावा यात्रियों की राय भी जाना जा रहा है कि और किस तरह के सुधार किए जा सकते हैं।

फिर जानलेवा हुआ कोरोना, छत्तीसगढ़ में इस सीजन में पहली मौत

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कोरोना संक्रमण के मामले एक बार फिर बढ़ने लगे हैं। इसी बीच छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले से बड़ी खबर सामने आई है। यहां एक कोरोना के 81 वर्षीय मरीज की मौत हो गई है। वह कैंप भिलाई का रहने वाला थाद्य किडनी सहित अन्य बीमारियों से पीड़ित था उसे उपचार के लिए सेक्टर-9 अस्पताल भिलाई में भर्ती कराया थाद्य जहां गुरुवार रात करीब 9.30 बजे उसकी मौत हो गईद्य छत्तीसगढ़ में कोरोना वायरस के एक्टिव मामलों की संख्या बढ़कर 31 हो गई है। प्रदेश में बीते 24 घंटों में कोरोना के 12 नए मरीजों की पहचान हुई है। कोरोना के कुल मरीजों की संख्या बढ़कर 31 हो गई है। प्रदेश में गुरूवार को सबसे ज्यादा मरीज दुर्ग जिले से छह मिले हैं। राजनांदगांव से एक, रायपुर से एक, रायगढ़ से दो, जांजगीर-चांपा से एक और बस्तर से एक मरीज की पहचान हुई है। दुर्ग जिले में सबसे ज्यादा सक्रिय मरीज 11 तथा रायपुर में सात हैं। प्रदेश में 4255 सैंपलों की जांच की गई, जिसमें 12 मरीजों की पहचान हुई। प्रदेश की कोरोना पाजिटिव दर 0.28 प्रतिशत पहुंच गया है, जो बुधवार को 0.15 था। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि कोरोना से निपटने के लिए अस्पतालों को दिशा-निर्देश दिए जा चुके हैं। स्वास्थ्य संस्थान संचालकों को सर्दी-खांसी और बुखार से पीड़त मरीजों की कोरोना जांच के निर्देश दिए गए हैं। लोगों को भी सावधानी बरतने की जरूरत है। घर से मास्क पहनकर ही बाहर निकले। सर्दी-खांसी और बुखार के लक्षण है तो कोरोना की जांच अवश्य कराएं।

बस्तर के जंगलों में छिपा है ये बेहद सुंदर वाटरफाल

पर्यटक अब तक हैं इस खूबसूरती से अनजान

बस्तर। कवि भवानी प्रसाद मिश्र की पद्य रचना, सतपुड़ा के घने जंगल, नींद में डूबे हुए से ऊंघते अनमने जंगल, झाड़ ऊंचे और नीचे चुप खड़े हैं आंख मींचे...। उनकी इस कविता में प्रकृति के सौंदर्य का वर्णन है। साथ ही प्रकृति की जीवंतता का बोध भी कराती है। प्राकृतिक संपदा से परिपूर्ण साल वनों के द्वीप बस्तर में घने जंगलों के बीच कई मनोरम स्थल हैं। यहां कल-कल कर बहते नदी-नाले, ऊंचे-नीचे पेड़ों का सघन वन क्षेत्र, जलप्रपात बहुतायत क्षेत्र में विद्यमान हैं। इनमें अधिकांश देश दुनिया के सामने आ चुके हैं पर कुछ क्षेत्र ऐसे भी हैं जिन्हें अभी तक वह प्रसिद्धि नहीं मिली है। ऐसा ही एक क्षेत्र काकलूर भी है। हमें जब पता चला कि वहां डंकिनी नदी आधा किलोमीटर क्षेत्र में दो-तीन छोटे-छोटे जलप्रपात बनाती है तो देखने का लोभ दरकिनार नहीं कर सका। इन जलप्रपातों का आकार बहुत वृहद नहीं है, लेकिन छोटे ही सही आकर्षण इनका भी कमतर नहीं है। यहां पत्थरों से टकराकर सुर बिखेरती डंकिनी की जलधारा मन मोहती है। एक राम भक्त ऐसा भी, वाल्मीकि रामायण पर आधारित पद्य रचना संग्रह किया तैयार, अब 97 वर्ष की उम्र में रामलला को भेंट करेंगे रामकथाएक राम भक्त ऐसा भी, वाल्मीकि रामायण पर आधारित पद्य रचना संग्रह किया तैयार, अब 97 वर्ष की उम्र में रामलला को भेंट करेंगे रामकथा वहां पहुंचने पर जिस प्राकृतिक सौंदर्य का दर्शन होता है उससे सतपुड़ा के घने जंगल का वर्णन मन मस्तिष्क के सामने आ जाता है। यह वही डंकिनी नदी है जो आगे बढ़कर दंतेवाड़ा में शंखिनी नदी के साथ संगम बनाते हुए बस्तर की अराध्य देवी मां दंतेश्वरी का पांव पखारती है। दुख इस बात का है कि बस्तर के पर्यटन मानचित्र में काकलूर के घने जंगलों के बीच बिखरे प्राकृतिक सौंदर्य के खजाना सामने नहीं आ पाया है।

दंतेवाड़ा जिले की सीमा पर बहती है डंकिनी

जगदलपुर-गीदम मार्ग पर बास्तानार से बायीं ओर प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत निर्मित पक्की सड़क काकलूर जाती है। बास्तानार से 15 किलोमीटर दूर कलेकल्याण (दंतेवाड़ा जिला) मार्ग पर काकलूर से एक किलोमीटर दूर ढोसलपारा पहुंचते ही डंकिनी नदी की पत्थरों से टकराकर आगे बढ़ती जलधारा की आवाज सुनाई देने लगती है। ढोसलपारा से एक किलोमीटर आगे जंगलों के बीचों बीच बहती इस नदी में यहां लगभग आधा किलोमीटर की लंबाई में बड़ी-बड़ी चटानें फैली हैं। इन्हीं चट्टानों के बीच कई जगहों से जलप्रपात जैसे झरने मन मोह लेते हैं। ढोसलपारा निवासी बुधराम बताते हैं कि यहां कोई नहीं आता क्योंकि इस जगह के बारे में स्थानीय लोग तो जानते हैं पर बाहरी लोगों को जानकारी नहीं है। एक बार ही आसपास क्षेत्र से कुछ लोग पिकनिक मनाने आए थे।

महिला ने राज्यपाल से लगाई गुहार, बोली- मेरी बेटी से मिलवा दीजिए, पति ने कहा- कोर्ट से लेना

रायपुर। राजधानी रायपुर के बैरनबाजार स्थित पीडब्ल्यूडी कालोनी की रहने वाली राखी सिन्हा ने पांच साल की बेटी से मिलवाने के लिए राज्यपाल से गुहार लगाई है। एसपी से भी इस मामले में शिकायत की गई है। शिकायत में बताया गया कि पति अभिनव श्रीवास्तव के साथ शादी के कुछ समय बाद से लड़ाई-झगड़ा चालू हो गया था। 19 अक्टूबर को भी लड़ाई-झगड़ा हुआ और मारपीट की गई। आरोप है कि पति ने पत्नी को घर से धक्के मार कर बाहर निकाल दिया। उसने बेटी को अपने पास रख लिया है। महिला अभी अपने रिश्तेदार के यहां रह रही है। पीड़ित महिला ने बताया कि इस घटना के बाद पति बेटी से मिलने नहीं दे रहे थे। लगातार अपनी बेटी से मिलने के लिए प्रयास करती रही। मुलाकात नहीं होने पर महिला ने महिला आयोग और महिला थाने का दरवाजा खटखटाया, जिससे महिला आयोग ने पति को बेटी से हर 15 दिन में मुलाकात करवाने का आदेश दिया। महिला ने अपनी बेटी से हर दिन फोन में बात करने की इच्छा जाहिर की, लेकिन आयोग ने इस संबंध में कोई निर्णय नहीं दिया। राखी ने कहा कि उनका मामला एसडीएम कोर्ट में लंबित है। महिला का आरोप है कि इस सुनवाई के पहले ही बीते 10 दिनों से उन्हें सरेआम अज्ञात लोग धमकी दे रहे हैं। वे कह रहे हैं कि तू अभिनव साहब का कुछ नहीं बिगाड़ पाएगी। उनकी बहुत पहचान है। राज्यपाल से की इच्छा मृत्यु की मांग मामले में महिला ने राज्यपाल को भी पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने कहा कि उनकी बच्ची से उनकी रोज बात नहीं कराई जा रही है। अपनी बेटी के बिना वे नहीं रह सकतीं। उन्होंने निवेदन किया है कि उनकी बेटी को उन्हें वापस दिलवाया जाए, वरना उन्हें इच्छा मृत्यु की अनुमति दे दी जाए।

महिला से दुष्कर्म का प्रयास, दंपती और साले ने कर दी युवक की हत्या

रायगढ़। नवीन कुंजरा के जंगल में बांध किनारे एक अज्ञात युवक लाश बीते दिनों नग्न अवस्था में मिला था। लैलूंगा पुलिस ने मर्ग कायम कर मृतक के वारिसानों की पतासाजी में जुटते हुए हत्या मानकर कानूनी कार्रवाई कर रही थी।वहीं हत्याकांड में शामिल पति पत्नी और साले को लैलूंगा पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा है। तब खगेश साहू जाकर शव को देखा और शव की शिनाख्त उसके साथ रहकर कमांडर जीप चलाने वाला विनय निषाद के रूप में किया । रिपोर्टकर्ता खगेश साहू ने बताया कि वह घर ढलाई करने वाली मिक्सर मशीन रखा है । लैलूंगा, घरघोड़ा क्षेत्र में छत ढलाई का काम ठेका पर लेकर करता है । वर्तमान में ग्राम कुंजारा में किराया मकान लेकर पत्नी सावित्री, पत्नी के मामा का लड़का नितेश साहू और जीप कमांडर चलने वाला विनय निषाद साथ रहते थे । 18 दिसंबर को लैलूंगा में मकान ढलाई के बाद घर आये दूसरे दिन 19 दिसबंर की सुबह विनय बिना बताये कहीं चला गया और वापस नहीं आया है जिसे खोजबीन किए पता नहीं चला । वहीं पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर आगे बढ़ रही थी कि पुलिस टीम द्वारा खगेश और नीलेश की 18 और 19 दिसंबर के गतिविधियों को चेक किया गया और उनके संपर्क में आये लोगों से पूछताछ कर

तस्दीक किये । इसी दरम्यान एक गवाह ने बताया कि 18-19 दिसंबर की रात खगेश साहू बार-बार काल कर उन्हें कुंजरा, लैलूंगा बुला रहा था पर वे नहीं गए । इस संबंध में खगेश और निलेश से पूछताछ किया गया कि किन कारणों से वे उन्हें देर रात कुंजारा बुला रहा था तो निलेश और खगेश दोनों के बयान अलग अलग थे । दोनों से पूछताछ करने पर खगेश ने अपने पत्नी सावित्री साहू और पत्नी के भाई नितेश साहू के साथ मिलकर विनय की तकिया से नाक, मुंह दबाकर हत्या करने की वारदात को कबूल किया और बताया कि 18 दिसंबर जूनाडीह लैलूंगा में मकान ढलाई का काम करने के बाद शाम करीब 7-8 बजे किराए मकान कुंजरा में आए और विनय, खगेश और नीलेश तीनों एक साथ खाना पीना किए । इनके किराए के मकान में दो खाट है, एक खाट में तीनों युवक सोए थे बगल की खाट में खगेश की पत्नी सावित्री साहू सोई थी, रात्रि में विनय, सावित्री के साथ गलत हरकत करने लगा। जिसे सावित्री मना की और खगेश, निलेश भी समझाएं उनके बीच विवाद हुआ और खगेश ने विनय का मुंह से दबाया जिसके बाद निलेश और उसकी पत्नी सावित्री ने विनय निषाद के नाक मुंह को तकिए से दबाकर उसकी हत्या कर दिए । देर रात लाश को ठिकाने लगाने कुछ लोगों को संपर्क किये थे । उनके नहीं आने पर नीलेश और खगेश ने निलेश के बाइक के बीच में विनय के शव को रखकर ऐसे रास्ते का उपयोग किया जहां सीसीटीवी के नजर में ना आए और देर रात शव नवीन कुंजारा जंगल बांध के किनारे ले गये जहां मृतक के कपड़े उतार कर झाड़ी में छुपा दिए और शव को जंगल में फेक आये। 3 दिन बाद वे कर विनय की गुम होने की झूठी रिपोर्ट लिखाने थाने पहुंचे थे । बहरहाल आरोपितों के निशानदेही पर मृतक के पहने कपड़े और घटना में प्रयुक्त बाइक,तकिया को जब्त कर खगेश साहू (25) पिता धरमु साहू , सावित्री साहू (25) पति खगेश साहू निवासी मोहतराना थाना सरसीवा जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़ और नीलेश साहू (19) पिता श्रीलाल साहू निवासी भोरकाडिपा थाना भटगांव जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़ को हत्या के अपराध में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है ।

बच्चों को क्यों होती है लो ब्लड प्रेशर की समस्या

ब्लड प्रेशर की समस्या अधिकतर वयस्कों से संबंधित होती है। लेकिन, कुछ मामलों में यह समस्या बच्चों को भी हो सकती है। दरअसल, बदलते खानपान और कई बार आनुवांशिक कारणों के चलते भी बच्चों को छोटी उम्र में ही कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। बच्चों में होने वाली लो ब्लड प्रेशर की समस्या को हाइपोटेंशन के नाम से जाना जाता है। जिस तरह से हाई ब्लड प्रेशर एक गंभीर समस्या का कारण बन सकता है, ठीक उसी तरह लो ब्लड प्रेशर की वजह से कई बीमारियों का जोखिम बढ़ जाता है। अभिभावकों को इस समस्या में बच्चे की देखभाल पर विशेष ध्यान देना होता है। साथ ही, बच्चे को समय-समय पर डॉक्टर के पास ले जाना होता है। आगे इंदौर में धीरुभाई अंबानी अस्पताल के पीटियेट्रिशियन डॉक्टर रुचिरा पहारे से जानते हैं कि बच्चों को लो ब्लड प्रेशर के क्या कारण होते हैं। साथ ही इस समस्या के लक्षण और इलाज को भी आगे बताया गया है।

बच्चों को लो ब्लड प्रेशर के कारण और लक्षण

डिहाइड्रेशन होना

बच्चों में लो ब्लड प्रेशर का सबसे आम कारण डिहाइड्रेशन हो सकता है। जब शरीर में एक निश्चित स्तर से अधिक तरल पदार्थ कम हो जाते हैं, तो रक्त की मात्रा में कमी आ सकती है, जिससे रक्तचाप यानी ब्लड प्रेशर में भी गिरावट आ सकती है। कई बार बीमारियों और अत्यधिक गर्मी के कारण बच्चों को डिहाइड्रेशन हो सकता है।

हृदय से जुडी समस्याएं

जन्म से ही हृदय संबंधी समस्याएं या अनियमित हृदय ताल बच्चों में लो ब्लड प्रेशर की एक वजह हो सकती है। ये स्थितियां हृदय के रक्त को प्रभावी ढंग से पंप करने की क्षमता को प्रभावित कर सकता है, जिससे ब्लड प्रेशर कम हो सकता है।

एंडोक्राइन डिसऑर्डर

एंडोक्राइन (अंतःस्रावी) तंत्र को प्रभावित करने वाले विकार, जैसे एड्रिनल की कमी या थायरॉइड डिसफंक्शन, ब्लड प्रेशर को नियंत्रित व प्रभावित कर सकती हैं। हार्मोनल असंतुलन के कारण कुछ बच्चों में लो ब्लड प्रेशर हो सकता है।

पोषक तत्वों की कमी

आवश्यक पोषक तत्वों, विशेष रूप से आयरन और विटामिन बी12 की कमी, लाल रक्त कोशिकाओं के उत्पादन को प्रभावित कर सकती है और लो ब्लड प्रेशर का कारण बन सकती है। ब्लड प्रेशर को सही स्तर पर बनाए रखने के लिए डाइट में बदलाव करना बेहद आवश्यक है।

संक्रमण होना

गंभीर संक्रमण, (विशेष रूप से सेप्टिक शॉक पैदा करने वाले) के परिणामस्वरूप ब्लड प्रेशर में अचानक गिरावट हो सकती है। यह एक चिकित्सीय आपातकाल है और इस पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है।

बच्चों में लो ब्लड प्रेशर के लक्षण - थकान और कमजोरी

चक्कर आना या चक्कर आना

बेहोशी

कॉग्नेटिव विकास में मुश्किल होना

धुंधली या कम दिखाई देना, आदि।

बच्चों में लो ब्लड प्रेशर का इलाज

हाइड्रेट रहना

लो ब्लड प्रेशर के इलाज में मरीज को पर्याप्त मात्रा में पानी पिलाना चाहिए। बच्चों को नियमित रूप से पर्याप्त मात्रा में पानी पीने के लिए कहें, खासकर गर्म मौसम या बीमारी के दौरान बच्चों को कम पीने की आदत को नहीं बदलना चाहिए।

संतुलित आहार बच्चे को अभिभावक आवश्यक पोषक तत्वों से भरपूर संतुलित आहार दे सकते हैं। कमी पाए जाने पर आयरन और विटामिन बी12 युक्त चीजों को डाइट में शामिल करना चाहिए।

दवाईयां

कुछ मामलों में, बच्चों के लो ब्लड प्रेशर को मैनेजकरने के लिए डॉक्टर दवाएं दे सकते हैं। इस समस्या को कंट्रोल करने के लिए दवा निर्धारित की जा सकती है। हालांकि, इसके कारण के आधार पर ही डॉक्टर दवा संबंधी निर्णय ले सकते हैं। बच्चों को किसी तरह की समस्या हो रही है तो इसे बिना नजरअंदाज किए आपको उन्हें तुरंत डॉक्टर के पास ले जाना चाहिए। यदि, बच्चे को लो ब्लड प्रेशर के लक्षण दिखाई दे तो आप डॉक्टर से सलाह ले सकते हैं।

न्यू ईयर पर कर रहे हैं हाउस पार्टी? झटपट बनाएं स्नैक्स

साल 2023 का आखिरी हफ्ता चल रहा है। ऐसे में हर कोई नए साल की पार्टी की तैयारियों में जुटा हुआ है। अगर आप इस बार नया साल घर पर अपने दोस्तों के साथ मनाने वाले हैं। यानी आपका मूड हाउस पार्टी करनेका है तो हम आपके लिए लाएं हैं कुछ बेहतरीन और स्वाद से भरपूर झटपट बन जाने वाले स्नैक्स रेसिपीज़। आपके न्यू ईयर हाउस पार्टी को खास बनाने में ये वेजी स्नैक्स समय भी कम लेंगे और स्वाद में भी लाजवाब बनेंगे। तो आइए हम जानते हैं कि आप कौन कौन से इंस्टेंट वेजी स्नैक्स पार्टी की मेन्यू में आसानी से शामिल कर सकते हैं.

बनाएं ये इंस्टेंट वेजी स्नैक्स

स्टफ्ड मशरूमः नए साल की शुरुआत करें स्टफ्ड मशरूम के साथ। इस स्वादिष्ट स्टफ्ड मशरूम रेसिपी को जरूर अपने मेन्यू में शामिल कर सकते हैं। न्यू ईयर पार्टी में मेहमानों को सर्व करने के लिए ये एक परफेक्ट ऐपिटाइजर है। इसे आप किसी भी कोल्ड बेवरेज के साथ ले सकते हैं.

मसाला पापड़: न्यू ईयर के हाउस पार्टी में आप मसाला पापड़ को भी अपने मेन्यू में शामिल कर सकते हैं। इसे बनाने में मुश्किल से 5 मिनट भी नहीं लगता लेकिन स्वाद में उतना ही बेहतरीन।

ब्रेड पिज्जाः अगर आपकी पार्टी में यंग और बच्चे भी शामिल हो रहे हैं तो ब्रेड पिज्जा आपकी पार्टी मेन्यू में जरूर शामिल होनी चाहिए। ये ट्रेडिशनल पिज्जा बेस से अलग ब्रेड स्लाइस पर बना सकते हैं जो किफायती होने के साथ साथ कम वक्त भी बनने में लेता है। इस तरह आप क्लासिक पिज्जा रेसिपी में थोड़ा-सा ट्विस्ट लाकर इस डिश से अपने मेहमानों का दिल जीत सकते हैं.

ड्राई वेज मंचूरियनः इस रेसिपी को बनाना काफी आसान है। ये डिश इंडियन और चाइनीज कुजीन का एक अनोखा फ्यूजन है जिसे लोग काफी पसंद करते हैं। इसे न्यू ईयर पार्टी में स्नैक्स के रूप में आप मेन्यू में जरूर शामिल करें.

नाचोज़ भेलः आप इसे बनाने के लिए बाजार से नाचोस की बड़ी दो से तीन पैकेट खरीद लें और प्याज, हरी मिर्च, टमाटर और नींबू को काटकर बाउल में साथ मिलाकर भेल बना लें। इसे इंस्टेंट बनाकर आप मेहमानों के सामने परोस सकते हैं और पार्टी का मजा ले सकते हैं.

पनीर पोटैटो बॉल्सः पनीर पोटैटो बॉल स्वाद में जितनो लजीज होते हैं इन्हें बनाना भी आसान होता है। इसे आप पार्टी शुरु होने से पहले बनाकर फ्रिजर में रख दें और पार्टी के समय फ्राई कर गर्मागर्म परोसें.

अचानक से दिखाई देने लगता है धुंधला

आंखों में पर्याप्त मात्रा में आंसू नहीं बन पाते हैं तो इससे ड्राई आईज की समस्या होती है। जिससे आंखों में जलन चुभन धुंधलेपन की समस्या होती है। इससे आंखों की रोशनी भी कम हो सकती है। अगर आप भी अक्सर आंखों की धुंधलेपन से परेशान रहते हैं तो आज हम आपको इस आर्टिकल में इससे बचने के कुछ उपाय बताएंगे।

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए इसका ध्यान रखना बहुत जरूरी है, फिर चाहे हमारे बाल हो या फिर नाखून सबकी देखभाल करना आवश्यक है। शरीर के किसी भी अंग में समस्या हो जाए, तो यह हमारे लिए परेशानी का सबब बन जाता है। कई बार आंखों के सामने अचानक से धुंधलापन छा जाता है, इस समस्या को भूलकर भी अनदेखा न करें। ऐसे में आज हम आपको इस आर्टिकल में आंखों में होने वाले धुंधलेपन से राहत पाने के उपाय बताएंगे।

ज्यादा समय तक तेज रोशनी में काम करने से आंखों में धुंधलापन आ जाता है। मोबाइल या कंप्यूटर पर तेज रोशनी में काम करने की वजह से भी हो सकता है या फिर अन्य किसी कारण से भी, लेकिन अगर यह समस्या लगातार होती है, तो आंखों की रोशनी कम हो सकती है।

मिश्री और सौंफ़

मिश्री और सौंफ को बराबर मात्रा में लेकर इसे पीसकर चूर्ण बना लें और फिर रोजाना सुबह और शाम एक गिलास गर्म दूध के साथ पिएं। कुछ दिनों में ही आपको आराम महसूस होने लगेगा।

गुलाब जल डालें

आंखों के धुंधलेपन को दूर करने के लिए गुलाब जल का इस्तेमाल कर सकते हैं। आंखों में गुलाब जल की दो-दो बूंदे डालें। यह आंखों को ठंडक पहुंचाता है और फिर धुंधलेपन से निजात भी मिलती है।

पैर के तलवों की मसाज करें

एक्यूप्रेशर चिकित्सा में पैरों के तलवों पर ही मसाज और पिन प्वाइंट दबाव के द्वारा अनेक तरह की बीमारियों का इलाज किया जाता है, इसलिए रोजाना रात में सोने से पहले पैरों पर सरसों तेल से मालिश इससे आंखों के धुंधलेपन से मुक्ति मिलती है, साथ ही आंखों की रोशनी भी बढ़ती है।

आंवले का जूस है लाभदायक

आंवला हमारी आंखों की रौशनी के लिए बहुत ही फायदेमंद है, ऐसे में आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए आंवले का जूस पी सकते हैं। इससे न सिर्फ आंखों का धुंधलापन कम होगा, बल्कि आंखों की रोशनी भी बढ़ेगी।

हेल्दी फूड्स जरूर खाएं

आप अपनी डाइट में विटामिन ए की मात्रा बढ़ाएं, शरीर में इसकी कमी दूर करने के लिए हेल्दी फूड्स और फ्रूटस खाएं, जो विटामिन्स और प्रोटीन से भरपूर होते हैं। आंखों को स्वस्थ रखने के लिए आप रोजाना दूध जरूर पिएं।

टेलीकम्युनिकेशन बिल बना कानून

जानकारी

- **बायोमेट्रिक पहचान के बिना सिम नहीं मिलेगी, जरूरत पड़ने पर मैसेजेज इंटरसेप्ट कर सकेगी सरकार**

नई दिल्ली, एजेंसी

नए टेलीकम्युनिकेशन बिल 2023 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी मिल गई है, जिसके बाद अब यह कानून बन गया है। अब टेलीकम्युनिकेशन कानून उस तारीख से लागू होगा जब केंद्र सरकार ऑफिशियल गजट में नोटिफिकेशन जारी करेगी। यह 20 दिसंबर को लोकसभा और 21 दिसंबर को राज्यसभा में पास हुआ था।

टेलीकम्युनिकेशन कानून में फर्जी सिम लेने पर 3 साल जेल और 50 लाख तक जुर्माने का प्रावधान है। कानून में टेलीकॉम कंपनियों को उपभोक्ताओं को सिम कार्ड जारी करने से पहले अनिवार्य रूप से बायोमेट्रिक पहचान करने को कहा गया है। यह कानून सरकार को राष्ट्रीय सुरक्षा कारणों से किसी भी टेलीकॉम सर्विस या नेटवर्क के टेक ओवर, मैनेजमेंट या उसे सस्पेंड करने की अनुमति देता है। युद्ध जैसी स्थिति में जरूरत पड़ने पर सरकार टेलीकॉम नेटवर्क पर मैसेजेज को इंटरसेप्ट कर सकेगी।

यह कानून 138 साल पुराने भारतीय टेलीग्राफ अधिनियम को बदलेगा जो टेलीकॉम सेक्टर को कंट्रोल करता है। इसके अलावा द इंडियन वायरलेस टेलीग्राफ एक्ट 1933 की भी यह बिल जगह लेगा। ये TRAI एक्ट 1997 को भी संशोधित करेगा। टेलीकम्युनिकेशन कानून से लाइसेंसिंग सिस्टम में भी बदलाव आएगा। वर्तमान में, सर्विस प्रोवाइडर्स को विभिन्न प्रकार की सर्विसेज के लिए अलग-अलग लाइसेंस, अनुमतियां, अनुमोदन और पंजीकरण लेना पड़ता है। ऐसे 100 से अधिक लाइसेंस या पंजीकरण हैं जो टेलीकॉम डिपार्टमेंट जारी करता है।

बिल में टेलीकॉम स्पेक्ट्रम के एडमिनिस्ट्रेटिव एलॉकेशन का प्रावधान है, जिससे सर्विसेज की शुरुआत में तेजी आएगी। नए बिल से अमेरिकी बिजनेसमैन एलन मस्क की स्टारलिंक जैसी विदेशी कंपनियों को फायदा होगा। वहीं, जियो को इससे नुकसान हो सकता है।

इसमें यह भी अनिवार्य किया गया है कि कंज्यूमर्स को गुड्स, सर्विसेज के लिए विज्ञापन और प्रमोशनल मैसेज भेजने से पहले उनकी सहमति लेनी होगी। इसमें यह भी बताया गया है कि टेलीकॉम सर्विसेज देने वाली कंपनी को एक ऑनलाइन मैकेनिज्म बनाना होगा, जिससे यूजर्स अपनी शिकायत ऑनलाइन दर्ज करा सके। बिल के नए वर्जन में ओवर-द-टॉप (ओटीटी) एप्लीकेशन या इंटरनेट-बेस्ड कम्युनिकेशन एप्लीकेशन, जैसे जीमेल, वॉट्सएप, सिग्नल आदि को रेगुलेट करने की साफ तौर पर जानकारी नहीं है। बिल में टेलीकम्युनिकेशन, मैसेजिंग जैसे कीवर्ड की ब्रॉड डेफिनेशन दी गई है। इस कारण विभिन्न हलकों में चिंता है कि सरकार अभी भी ओटीटी और इंटरनेट-बेस्ड कम्युनिकेशन एप्लीकेशन्स को रेगुलेट करने का विकल्प चुन सकती है।

पिछले साल जब टेलीकम्युनिकेशन बिल का ड्राफ्ट पेश किया गया था तो उसमें ओटीटी सर्विसेज भी दायरे में थी। इसे लेकर इंटरनेट कंपनीज और सिविल सोसाइटी ने भारी हंगामा किया था। इसी के बाद OTT को इस बिल से बाहर किया गया है।

इस साल दुनिया के सबसे बड़े बैंकों ने की 60 हजार कर्मचारियों की छंटनी

न्यूयॉर्क, एजेंसी

दुनिया के 20 सबसे बड़े बैंकों ने इस साल में 60 हजार से अधिक कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया, जो 2007-2008 के वित्तीय संकट के बाद नौकरी में कटौती के लिए सबसे खराब वर्षों में से एक है।

फाइनेंशियल टाइम्स अखबार द्वारा मंगलवार को जारी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। रिपोर्ट के अनुसार, करीब आधी कटौती वॉल स्ट्रीट ऋणदाताओं से हुई, जिनके निवेश बैंकिंग व्यवसायों ने अमेरिका और यूरोप में बढ़ती ब्याज दरों की गति से निपटने के लिए संघर्ष किया है। किसी एक संस्थान द्वारा सबसे बड़ी कटौती स्विट्जरलैंड के यूबीएस (स्विस-बैंक) से हुई, क्योंकि उसने अपने पूर्व प्रतिद्वंद्वी क्रेडिट सुइस का अधिग्रहण करना शुरू कर दिया था। यूबीएस ने नवंबर में कहा है कि उसने पहले ही संयुक्त समूह से 13 हजार नौकरियों में कटौती कर दी है, जिससे उसकी कुल कर्मचारियों की संख्या 1.16 लाख हो गई है। सबसे बड़ी कटौती ब्रिटेन के मेट्रो बैंक (20 प्रतिशत) में की गई जबकि यूबीएस (10 प्रतिशत) दूसरे स्थान पर रहा। सिल्वरमाइन पार्टनर्स वित्तीय सेवा हेडहंटिंग फर्म के मालिक ली थैकर के हवाले से अखबार ने कहा, "ज्यादातर बैंकों में कोई स्थिरता नहीं है, कोई निवेश नहीं है, कोई विकास नहीं है और अधिक नौकरियों में कटौती होने की संभावना है।" फाइनेंशियल टाइम्स के अनुसार, 2007-2008 में वैश्विक वित्तीय संकट के दौरान ऋणदाताओं द्वारा 1.40 लाख से अधिक नौकरियों में कटौती की गई थी।

कयास | **मंदी की आशंका से सोने की कीमतों में उछाल आने की संभावना**

अगले साल बढ़ेगी सोने की और चमक!

नई दिल्ली, एजेंसी

भले ही ब्याज दरें ऊंची थीं , 2023 में सोने ने वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया और कई लोगों को आश्चर्यचकित कर दिया। इसने कमोडिटी, बॉन्ड और ज्यादातर शेयर बाजारों से बेहतर प्रदर्शन किया। आम तौर पर, जब लोग आर्थिक मंदी की उम्मीद करते हैं तो सोना इतना अच्छा प्रदर्शन नहीं करता है, लेकिन 2024 में, राजनीतिक तनाव,केंद्रीय बैंकों द्वारा सोना खरीदना और मंदी की संभावना जैसी चीजें सोने को अच्छा प्रदर्शन जारी रखने में मदद कर सकती हैं।

वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल ने हाल ही में एक रिपोर्ट में कहा कि बहुत से अर्थशास्त्री अमेरिका में "सॉफ्ट लैंडिंग" की उम्मीद करते हैं, जहां फेडरल रिजर्व मंदी पैदा किए बिना मुद्रास्फीति को नियंत्रित करता है। आमतौर पर, जब चीजें इस तरह से सुचारू रूप से चल रही होती हैं, तो सोना बहुत अच्छा प्रदर्शन नहीं करता है और इसमें सपाट या थोड़ा नकारात्मक रिटर्न भी हो सकता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि भले ही चीजें आमतौर पर एक निश्चित तरीके से होती हैं, लेकिन इस बार अलग हो सकता है। चुनावी सालों के दौरान देशों के बीच तनाव होता है और केंद्रीय बैंक अभी भी सोना खरीद रहे हैं, जिससे सोने को मदद मिल सकती है। इसके अलावा, इसकी गारंटी नहीं है कि अमेरिका उच्च ब्याज दरों के साथ अपनी अर्थव्यवस्था को अच्छे से नियंत्रित करेगा, और दुनिया भर में मंदी आ सकती है। इसलिए, रिपोर्ट बताती है कि कई निवेशक सुरक्षित विकल्प के रूप में अपने पोर्टफोलियो में सोना रखना चाहेंगे।बाज़ार में ज़्यादातर लोग क्या सोचते हैं और अन्य संकेतों को देखकर उन्हें यह पता चला। सोने के चालकों का आकार दर्शाता है कि प्रत्येक कारक कितना महत्वपूर्ण है। उन्होंने गोल्ड वैल्यूएशन फ्रेमवर्क के साथ औसत वार्षिक कीमतों को देखकर यह भी जांचा कि सोना कैसा प्रदर्शन कर सकता है।वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल का मानना है कि अगर अर्थव्यवस्था धीमी हुए बिना रफ्तार के साथ बढ़ती रही, तो सोने की कीमतें कम हो सकती हैं। लेकिन उन्हें ऐसा होने की केवल 5 से 10 प्रतिशत संभावना ही दिखती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इसकी ज्यादा संभावना है कि अर्थव्यवस्था या तो थोड़ी धीमी हो जाएगी लेकिन बढ़ती रहेगी (सॉफ्ट लैंडिंग) या मंदी (हार्ड लैंडिंग) से गुजरेगी। उनका मानना है कि सॉफ्ट लैंडिंग की 45 से 65 प्रतिशत संभावना है, और यदि ऐसा होता है, तो सोने की कीमतें समान रह सकती हैं या बढ़ सकती हैं। दूसरी ओर, अगर मंदी (25-55% संभावना) होती है, तो सोने की कीमतें बहुत बढ़ सकती हैं। चाहे कुछ भी हो, लोग सोना खरीदना चाहेंगे क्योंकि अभी चीजें अनिश्चित हैं। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल का कहना है कि 2023 में सोने की मांग के लिए सबसे महत्वपूर्ण घटनाएं सिलिकॉन वैली बैंक का पतन और इज़राइल पर हमास का हमला था। उनका अनुमान है कि इन भू-राजनीतिक घटनाओं के कारण पूरे वर्ष सोने की कीमत में 3% से 6% के बीच वृद्धि हुई।

जनवरी से सितंबर तक, केंद्रीय बैंकों ने 800 मीट्रिक टन सोना खरीदा, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 14% ज्यादा है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि एक साल में अमेरिका, यूरोपीय संघ, भारत और ताइवान में बड़े चुनावों के साथ, निवेशक अपने निवेश के लिए ज्यादा सुरक्षा चाहेंगे। केंद्रीय बैंकों द्वारा सोना खरीदने से पिछले दो सालों में उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन करने में मदद मिली है।उनका मानना है कि 2023 में केंद्रीय बैंकों की अतिरिक्त मांग ने सोने के प्रदर्शन में 10% या उससे ज्यादा का इजाफा किया। उन्हें उम्मीद है कि केंद्रीय बैंक 2024 में सोना खरीदते रहेंगे और भले ही यह पहले जितना न हो, फिर भी इससे सोने को बढ़ावा मिलना चाहिए।2023 में COMEX सोने की कीमतें 11% से ज्यादा की बढ़त के साथ साल का अंत करने जा रही हैं, और MCX सोने की कीमतें अब तक लगभग 12% का रिटर्न दे चुकी हैं। कोटक सिक्योरिटीज का कहना है कि इस अच्छे प्रदर्शन का एक कारण घरेलू मुद्रा का मूल्य कम होना है। भले ही बढ़ती बॉन्ड यील्ड और मजबूत अमेरिकी डॉलर जैसी चुनौतियाँ थीं, सोने की कीमतें पूरे साल मजबूत रहीं, खासकर जब फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों को 22 सालों में सबसे ज्यादा बढ़ा दिया।

शक्कर में नरमी, खाद्य तेल मजबूत

इंदौर,एजेंसी

सियागंज किराना बाजार में शक्कर में नरमी रही। खाद्य तेलों में लिवाली बताई गई। आज पाम तेल ऊंचा बिका। तिलहन बढ़े बताए गए। दलहन तथा दाल गिरावट लिए बताई गई। चावल में उठाव रहा। किराना बाजार-सियागंज किराना बाजार में शक्कर में खरीदी सुस्त बताई गई। आज शक्कर में 04 गाड़ी की आवक हुई। खोपरा बूरा में लिवाली रही। साबूदाना में उठाव बताया गया। हल्दी में पूछपरख रही। तेल-तिलहन-खाद्य तेलों में लिवाली से खाद्य तेल मजबूती लिए रहे। आज पाम तेल ऊंचा होकर बिका। तिलहनों में भी तेजी दर्ज की गई। दाल-दलहन-स्थानीय संयोगितागंज अनाज मंडी में दलहनों में भाव नरमी लिए बताए गए। दालों में उठाव सुस्त रहा इससे भाव मंदे बोले गए। चावल में पूछपरख साधारण बताई गई। किराना-शक्कर 3940 से 3980 रुपये प्रति क्विंटल। खोपरा गोला 95 से 125 रुपये प्रति किलोग्राम। खोपरा बूरा 2350 से 4000 रुपये प्रति 15 किलोग्राम। हल्दी खडी 140 से 270 रुपये प्रति किलोग्राम।

विश्व बाजार के मिलेजुले रुख के बीच सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी बरकरार

बाजार में उछाल

- **दिग्गज कंपनियों के विपरीत मझौली और छोटी कंपनियों में लिवाली की गति अधिक तेज रही**
- **अठारह समूहों में हुई लिवाली की बदौलत शेयर बाजार में आज लगातार तीसरे दिन भी तेजी बरकरार**

मुंबई, एजेंसी

विश्व बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर आईटी और टेक को छोड़कर शेष अठारह समूहों में हुई लिवाली कि बदौलत शेयर बाजार में आज लगातार तीसरे दिन भी तेजी बरकरार रही।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 229.84 अंक की छलांग लगाकर 71,336.80 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 91.95 अंक की तेजी के साथ 21,441.35 अंक पर पहुंच गया। हालांकि दिग्गज कंपनियों के विपरीत मझौली और छोटी कंपनियों में लिवाली की गति अधिक तेज रही। इससे बीएसई का मिडकैप 0.72 प्रतिशत उछलकर 36,139.73 अंक और स्मॉलकैप 0.48 प्रतिशत चढ़कर 42,203.11 अंक हो गया।

इस दौरान बीएसई में कुल 4030 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2331 लाभ में जबकि 1557 नुकसान में रहे वहीं 142 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह निफ्टी की 41 कंपनियां हरे जबकि शेष नौ लाल निशान पर रही।

बीएसई में टेक और आईटी में 0.25 प्रतिशत तक की गिरावट को छोड़कर शेष 18 समूहों में जमकर लिवाली हुई। इस दौरान कमोडिटीज़ 1.36, सीडी 0.39, ऊर्जा 1.28, एफएमसीजी 0.65, वित्तीय सेवाएं 0.24, हेल्थकेयर 1.13, इंडस्ट्रियल्स 0.91, दूरसंचार 0.42, यूटिलिटीज 1.56, ऑटो 0.91, बैंकिंग 0.56, कैपिटल गुड्स 0.82, कंज्यूमर डयूरेबल्स 0.64, धातु 0.93, तेल एवं गैस 1.45, पॉवर 1.22, रियल्टी 0.27 और सर्विसेज समूह के शेयर 0.40 प्रतिशत चढ़ गए।

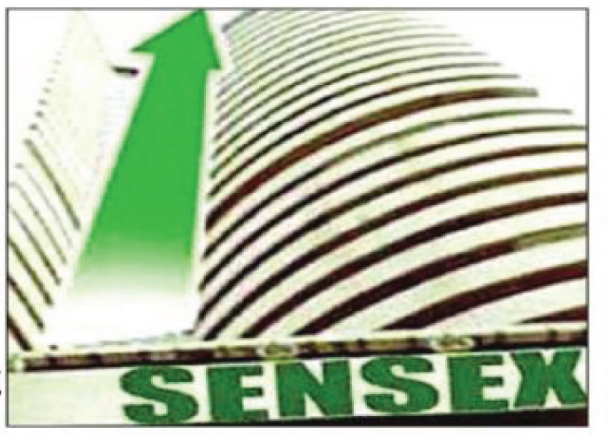

अंतरराष्ट्रीय पर मिलाजुला रुख रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफ़टीएसई 0.04, जर्मनी का डैक्स 0.11 और जापान का निक्केई 0.16 प्रतिशत मजबूत रहा। वहीं हांगकांग का हैंगसेंग 1.69 और चीन का शंघाई कंपोज़िट 0.68 प्रतिशत लुढ़क गया।

कारोबार की शुरूआत में सेंसेक्स नौ अंक फिसलकर 71,097.78 अंक पर सपाट खुला और बिकवाली के दबाव में थोड़ी देर बाद ही 71,012.08 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया। वहीं, लिवाली होने से दोपहर से पहले 71,471.29 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंचा। अंत में पिछले दिवस के 71,106.96 अंक के मुकाबले 0.32 प्रतिशत मजबूत होकर 71,336.80 अंक पर रहा।

वहीं, निफ्टी 16 अंक बढ़कर 21,365.20 अंक पर खुला और सत्र के दौरान 21,329.45 अंक के निचले जबकि 21,477.15 अंक के उच्चतम स्तर पर रहा। अंत में पिछले सत्र के 21,349.40 अंक की तुलना में 0.43 प्रतिशत उछलकर 21,441.35 अंक हो गया। इस दौरान सेंसेक्स की 24 कंपनियों में लिवाली हुई। एनटीपीसी ने सबसे अधिक 2.44 प्रतिशत का मुनाफा कमाया। साथ ही महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.65, विप्रो 1.59, कोटक बैंक 1.35, टाटा स्टील 1.27, एशियन पेंट 1.24, भारती एयरटेल 1.16, टाइटन 0.99, नेस्ले इंडिया 0.77, एचडीएफसी बैंक 0.74, पावरग्रिड 0.69, एक्सिस बैंक 0.66, इंडसइंड बैंक 0.64, मारुति 0.59, अल्ट्रासिमको 0.51, रिलायंस 0.50, टेक महिंद्रा 0.47, हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.41, एलटी 0.37, आईटीसी 0.23, सन फार्मा 0.21, एसबीआई 0.20, आईसीआईसीआई बैंक 0.13 और 0.02 जेएसडब्ल्यू स्टील के शेयरों में 0.02 प्रतिशत की बढ़त रही।

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड,तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। **संपादक** :- नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)